website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 08 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 19 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

VB-G-RAM-G बिल के खिलाफ विपक्ष का मार्च, संसद में 14 घंटे बहस

-आज प्रदूषण पर चर्चा की अगुवाई करेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को राजनीतिक टकराव और अहम मुद्दों की बहस के बीच आगे बढ़ा। नए ग्रामीण रोजगार कानून VB-G-RAM-G (वीबी-जी-राम-जी) बिल के खिलाफ विपक्ष ने संसद परिसर में जोरदार मार्च निकाला। इस मार्च में विपक्ष के 50 से ज्यादा सांसद शामिल हुए और सरकार से इस बिल को वापस लेने की मांग की। विपक्षी सांसदों ने नारे लगाते हुए कहा कि यह प्रस्तावित कानून ग्रामीण गरीबों के हितों को कमजोर करता है और 20 साल पुराने MGNREG एक्ट की मूल भावना के खिलाफ है।

14 घंटे चली VB-G-RAM-G बिल पर बहस-
इससे एक दिन पहले बुधवार को लोकसभा में VB-G-RAM-G बिल पर करीब 14 घंटे तक मैराथन चर्चा हुई। सदन की कार्यवाही देर रात 1:35 बजे तक चली। इस दौरान 98 सांसदों ने बहस में हिस्सा लिया। सत्ता पक्ष ने बिल को ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में सुधार की दिशा में जरूरी कदम बताया, जबकि विपक्ष ने इसे मजदूरों के अधिकारों पर हमला करार दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को इस बहस का जवाब देंगे। हालांकि विपक्ष लगातार यह मांग कर रहा है कि इतने बड़े और संवेदनशील कानून को सीधे पारित करने के बजाय स्थायी समिति के पास भेजा जाए, ताकि इसके हर पहलू की गहराई से जांच हो सके। विपक्ष का कहना है कि यह कानून अगर मौजूदा MGNREG एक्ट की जगह लेता है, तो इससे ग्रामीण इलाकों में रोजगार सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है।

संसद परिसर में विपक्ष का विरोध-
गुरुवार सुबह विपक्षी दलों के सांसद संसद परिसर में इकट्ठा हुए और VB-G-RAM-G बिल के खिलाफ मार्च निकाला। कांग्रेस, वाम दलों समेत कई विपक्षी दलों ने इसमें हिस्सा लिया। सांसदों ने तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि यह बिल गरीबों की आवाज को दबाने वाला है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार बिना पर्याप्त चर्चा और सहमति के इस कानून को जल्दबाजी में आगे बढ़ा रही है।

आज प्रदूषण पर अहम चर्चा-
लोकसभा में गुरुवार को प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर भी चर्चा प्रस्तावित है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा इस चर्चा की शुरुआत कर सकती हैं। विपक्ष का कहना है कि देश के कई बड़े शहरों में वायु और जल प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है, लेकिन सरकार की नीतियां नाकाफी साबित हो रही हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव शाम 5 बजे इस चर्चा का जवाब देंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वायु गुणवत्ता, औद्योगिक प्रदूषण, नदियों की स्थिति और जलवायु परिवर्तन से जुड़े सवालों पर तीखी बहस हो सकती है।

बुधवार की संसदीय कार्रवाई की बड़ी बातें-
बुधवार को संसद में कई चौंकाने वाली जानकारियां भी सामने आईं। सरकारी स्कूलों में शून्य नामांकन: शिक्षा मंत्रालय ने संसद में बताया कि देशभर में मौजूद 10.13 लाख सरकारी स्कूलों में से 5,149 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी छात्र नामांकित नहीं है। 2024-25 के शैक्षणिक सत्र में सामने आए इस आंकड़े ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इन शून्य नामांकन वाले स्कूलों में से 70 प्रतिशत से ज्यादा तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में हैं। इसके अलावा, जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या शून्य या 10 से कम है, उनकी संख्या में बीते दो वर्षों में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति सरकारी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और पहुंच दोनों पर सवाल उठाती है।

43 OTT प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई: सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने लोकसभा में बताया कि सरकार ने 43 OTT प्लेटफॉर्म्स की देशभर में पहुंच को ब्लॉक कर दिया है। यह कार्रवाई उन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ की गई है, जो कानून के तहत प्रतिबंधित कंटेंट का प्रसारण कर रहे थे। सरकार का कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि समाज पर नकारात्मक असर न पड़े।

पीएम मोदी-ओमान सुल्तान वार्ता:

-समुद्री व्यापार और द्विपक्षीय सहयोग पर होगी अहम चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से अहम मुलाकात करेंगे। बैठक में भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे पर विस्तार से चर्चा होगी। दोनों नेता व्यापार, निवेश, ऊर्जा सहयोग, रक्षा और सुरक्षा, तकनीक, कृषि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर बातचीत करेंगे। साथ ही साझा रुचि वाले क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा में बिजनेस फोरम आयोजित होगा, जहां वे भारत–ओमान के व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे-
प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान एक बिजनेस फोरम का आयोजन भी किया जाएगा, जहां वे भारत और ओमान के व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। इस मंच का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को ज्यादा मजबूत करना है ताकि आर्थिक सहयोग को नई दिशा मिल सके।

मस्कट एयरपोर्ट पर ओमान के रक्षा मामलों के उपप्रधानमंत्री सैय्यद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया-
इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों के दौरे के तीसरे और अंतिम चरण में ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे। मस्कट एयरपोर्ट पर ओमान के रक्षा मामलों के उपप्रधानमंत्री सैय्यद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने गर्मजोशी से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

सैकड़ों की संख्या में मौजूद भारतीयों ने हाथों में तिरंगा लेकर 'मोदी मोदी', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए-
होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत मिला। सैकड़ों की संख्या में मौजूद भारतीयों ने हाथों में तिरंगा लेकर 'मोदी मोदी', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद लोगों से बातचीत की और स्वागत समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आनंद लिया।

यह यात्रा भारत-ओमान के बीच लगातार मजबूत हो रहे रणनीतिक संबंधों को दर्शाती है-
यह प्रधानमंत्री मोदी की ओमान की दूसरी यात्रा है। इससे पहले वे फरवरी 2018 में ओमान गए थे। यह यात्रा भारत-ओमान के बीच लगातार मजबूत हो रहे रणनीतिक संबंधों को दर्शाती है। खास बात यह है कि यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण पर सख्त प्रहार:

-BS-6 गाड़ियों को ही एंट्री, बिना PUC के नो फ्यूल नियम लागू

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को काबू में करने के लिए सरकार और प्रशासन ने सख्ती का रास्ता अपनाया है। बुधवार-गुरुवार की आधी रात 12 बजे से राजधानी में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का चौथा चरण लागू कर दिया गया है। इस चरण के तहत ऐसे कई कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की आवाजाही, परिवहन व्यवस्था और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। GRAP-4 लागू होते ही दिल्ली की सीमाओं पर सख्त पहरा बढ़ा दिया गया है। अब दिल्ली में सिर्फ BS-6 इंजन वाली गाड़ियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। इससे कम मानक वाली, खासकर दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड पुरानी गाड़ियों को राजधानी में आने से रोक दिया गया है। बॉर्डर प्वाइंट्स पर पुलिस और ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की गई है, जहां गाड़ियों की गहन जांच की जा रही है। जो वाहन तय मानकों पर खरे नहीं उतर रहे, उन्हें वहीं से वापस लौटा दिया जा रहा है। इस फैसले का असर काफी व्यापक है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में बाहर से रोज़ाना आने-जाने वाली करीब 12 लाख गाड़ियां इस पाबंदी की जद में आ गई हैं। इनमें नोएडा से आने वाली 4 लाख से ज्यादा गाड़ियां, गुरुग्राम से लगभग 2 लाख वाहन और गाजियाबाद से करीब 5.5 लाख वाहन शामिल हैं। इन इलाकों से रोज़ नौकरी, व्यापार और अन्य कामों के लिए दिल्ली आने वाले लोगों को अब या तो सार्वजनिक परिवहन का सहारा लेना पड़ रहा है या वैकल्पिक इंतज़ाम करने पड़ रहे हैं। GRAP-4 के तहत सिर्फ एंट्री पर ही रोक नहीं लगी है, बल्कि 'नो PUC, नो फ्यूल' नियम को भी सख्ती से लागू कर दिया गया है। इसका मतलब साफ है—अगर किसी वाहन के पास वैध पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (PUC) सर्टिफिकेट नहीं है, तो उसे पेट्रोल, डीजल या CNG नहीं मिलेगी। दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर इस नियम का पालन अनिवार्य कर दिया गया है। PUC सर्टिफिकेट की जांच को प्रभावी बनाने के लिए पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (ANPR) कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे वाहन की नंबर प्लेट स्कैन कर तुरंत यह पता लगा लेते हैं कि उस गाड़ी का PUC वैध है या नहीं। अगर सिस्टम में PUC की जानकारी उपलब्ध नहीं होती या सर्टिफिकेट एक्सपायर पाया जाता है, तो वाहन को ईंधन देने से इनकार कर दिया जाता है। शहर के भीतर भी जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े अधिकारी मिलकर वाहनों की जांच कर रहे हैं। PUC जांच में फेल होने वाली गाड़ियों को पेट्रोल पंप से बिना फ्यूल दिए लौटा दिया जा रहा है, जबकि नॉन BS-6 इंजन वाली गाड़ियों को दिल्ली की सीमा से ही यू-टर्न लेना पड़ रहा है। इससे कई जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति भी देखने को मिल रही है, हालांकि प्रशासन का कहना है कि यह अस्थायी परेशानी है और लोगों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी कदम है।

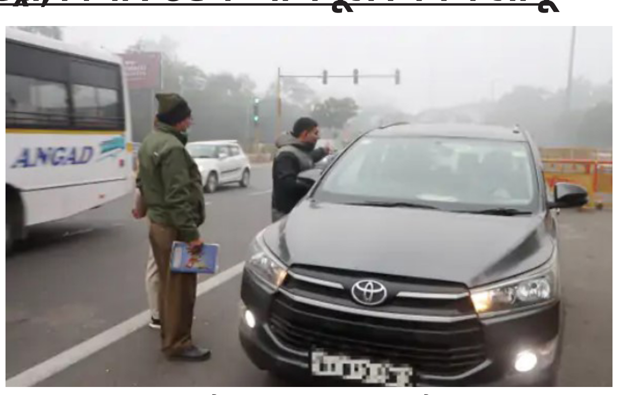

शहबाज़ शरीफ का भारत पर तीखा हमला:

-बोले– दिल्ली से मुंबई तक हार नहीं भूलेगा भारत, 6 लड़ाकू विमान गिराने का दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने भारत के खिलाफ एक बार फिर तीखा और उकसाने वाला बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि मई महीने में हुए भारत–पाकिस्तान तनाव के दौरान पाकिस्तान ने भारत को "सबक सिखाया" और यह हार "दिल्ली से मुंबई तक भारत कभी नहीं भूलेगा।" शहबाज़ शरीफ का यह बयान खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के हरिपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सामने आया। शहबाज़ शरीफ ने कहा कि मई में हुए कथित 87 घंटे लंबे संघर्ष में पाकिस्तानी सेना ने "स्पष्ट जीत" हासिल की। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान पाकिस्तान ने भारत के 6 लड़ाकू विमान मार गिराए, जिनमें 3 राफेल विमान शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने कई भारतीय ड्रोन गिराने का भी दावा किया। हालांकि भारत सरकार या भारतीय सेना की ओर से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि भारत ने बिना ठोस सबूतों के पाकिस्तान पर आरोप लगाए और सैन्य कार्रवाई की। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मोदी सरकार की "आक्रामक नीति" का नतीजा बताया और कहा कि पाकिस्तान ने अपने बचाव में जवाबी कार्रवाई की। शहबाज़ शरीफ ने अपने बयान को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जोड़ते हुए कहा कि इसी घटना के बाद हालात बिगड़े। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत का साफ आरोप रहा है कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी संगठन थे। । भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को उठाया और पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाए।

नेहरू के दस्तावेज़ों पर सियासी संग्राम:

-सरकार बोली—51 बक्से सोनिया गांधी के पास, पब्लिक आर्काइव में लौटें राष्ट्रीय धरोहर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू से जुड़े दस्तावेज़ों को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के निजी कागजात गायब नहीं हुए हैं, बल्कि उनकी जानकारी सरकार के पास है और ये दस्तावेज़ इस समय सोनिया गांधी के पास मौजूद हैं। सरकार के मुताबिक, ये कागजात वर्ष 2008 में 51 बक्सों (कार्टन) में प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (PMML) से गांधी परिवार के अनुरोध पर आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे। केंद्र का कहना है कि ये दस्तावेज़ किसी व्यक्ति या परिवार की निजी संपत्ति नहीं हैं, बल्कि देश की ऐतिहासिक धरोहर हैं और इन्हें पब्लिक आर्काइव में रखा जाना चाहिए, ताकि आम नागरिक, शोधकर्ता और इतिहासकार इन तक आसानी से पहुंच बना सकें। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर को संसद में भाजपा सांसद संबित पात्रा द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि नेहरू से जुड़े पेपर्स प्रधानमंत्री संग्रहालय से गायब नहीं हुए, बल्कि वे अब भी गांधी परिवार के पास हैं। सरकार का कहना है कि नेहरू के कार्यकाल से जुड़े कई ऐसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रिकॉर्ड हैं, जो देश के राजनीतिक, कूटनीतिक और प्रशासनिक इतिहास को समझने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। अगर ये दस्तावेज़ सार्वजनिक संग्रहालय या अभिलेखागार में होंगे, तो इतिहास को तथ्यों के साथ समझने और उस पर शोध करने में पारदर्शिता बनी रहेगी। सरकार ने इसी आधार पर सोनिया गांधी से इन दस्तावेज़ों को वापस सौंपने की मांग की है। भाजपा और कांग्रेस के बीच नेहरू पेपर्स लंबे समय से विवाद का विषय रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने नेहरू से जुड़े दस्तावेज़ों को अपने नियंत्रण में रखकर इतिहास को सीमित दायरे में कैद कर रखा है, जबकि कांग्रेस की ओर से पहले यह तर्क दिया जाता रहा है कि ये कागजात परिवार को सौंपे गए थे और उनका संरक्षण सही तरीके से किया जा रहा है। संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए संबित पात्रा ने कहा था कि प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय से नेहरू से जुड़े कागजात "गायब" हैं, जिस पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी। सरकार ने जवाब में यह भी दोहराया कि उसका मकसद किसी राजनीतिक टकराव को बढ़ाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय धरोहर को सार्वजनिक हित में लाना है।

ट्रम्प बोले– 'टैरिफ' मेरा फेवरेट शब्द, इससे 8 जंग रुकवाईं

-विपक्ष बोला– राष्ट्रपति सिर्फ 'मैं-मैं' करते हैं

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अपने बयान से वैश्विक राजनीति और घरेलू बहस को गरमा दिया है। अपने कार्यकाल के 11 महीने पूरे होने पर व्हाइट हाउस से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि 'टैरिफ' अंग्रेजी भाषा का उनका सबसे पसंदीदा शब्द है। उन्होंने दावा किया कि टैरिफ नीति की मदद से उन्होंने अपने पहले 10 महीनों के कार्यकाल में दुनिया भर में 8 युद्धों को रुकवाने में सफलता हासिल की। ट्रम्प ने कहा कि टैरिफ सिर्फ एक आर्थिक हथियार नहीं है, बल्कि यह एक कूटनीतिक दबाव का जरिया भी है, जिससे कई देशों को बातचीत की मेज पर लाया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील और भारत जैसे देशों पर लगाए गए टैरिफ से अमेरिका को उम्मीद से कहीं ज्यादा राजस्व मिला, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। अपने संबोधन में ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाइडेन ने सत्ता छोड़ते समय उन्हें एक बड़ा आर्थिक और वैश्विक संकट सौंपा था, जिसे संभालने के लिए कड़े फैसले जरूरी थे। ट्रम्प के मुताबिक, उनकी नीतियों ने अमेरिका को कमजोर करने के बजाय और ज्यादा ताकतवर बनाया है।

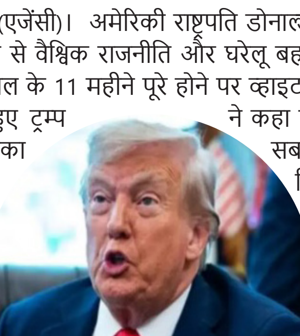

'पड़ोसी देशों से स्वास्थ्य सहयोग मजबूत,' जेपी नड्डा की अफगानिस्तान और नेपाल मंत्रियों के साथ हुईं बैठकें

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पड़ोसी देशों के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को नई गति दी है। नड्डा ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मौलवी नूर जलाल जलाली और नेपाल की स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री डॉ. सुधा शर्मा गौतम से अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकें कीं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से जारी पोस्ट के अनुसार, इन बैठकों में भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत मानवीय सहायता और स्वास्थ्य साझेदारी पर जोर दिया गया।

भारत ने स्वास्थ्य सेवा सहयोग और मानवीय सहायता की प्रतिबद्धता दोहराई-
अफगानिस्तान के मंत्री के साथ हुई बैठक में भारत ने स्वास्थ्य सेवा सहयोग और मानवीय सहायता की प्रतिबद्धता दोहराई। विशेष रूप से दवाओं की लंबी अवधि की आपूर्ति पर चर्चा हुई। अफगान लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए कैंसर की दवाओं और वैक्सीन का प्रतीकात्मक हस्तांतरण किया गया। इसके अलावा, दवाओं, वैक्सीन और एक 128-स्लाइस सीटी स्कैनर की बड़ी खेप अफगानिस्तान भेजी जा रही है। यह सहायता अफगानिस्तान में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वहीं, नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुधा शर्मा गौतम के साथ भी बैठक महत्वपूर्ण रही। इसमें भारत-नेपाल की गहरी स्वास्थ्य साझेदारी की पुष्टि हुई। चर्चा सार्वजनिक स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण, आवश्यक दवाओं एवं टीकों की आपूर्ति, बीमारी निगरानी, डिजिटल स्वास्थ्य पहल और नियामक सहयोग पर केंद्रित थी।

हर साल 5 लाख सड़क हादसे, 1.8 लाख मौतें:

-युवाओं पर भारी पड़ता खतरा, 10 मिनट में एंबुलेंस पहुंचाने की योजना

नई दिल्ली। भारत में सड़क हादसे एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुके हैं। हर साल करीब 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें औसतन 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन मौतों में 18 से 34 वर्ष की उम्र के युवाओं की हिस्सेदारी लगभग 66 प्रतिशत है। यानी देश की सबसे सक्रिय, मेहनती और भविष्य निर्माण करने वाली आबादी सड़क हादसों का सबसे बड़ा शिकार बन रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी राज्यसभा में दी। उन्होंने कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के सवाल के जवाब में माना कि सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारने, कानून सख्त करने और जागरूकता बढ़ाने के बावजूद सरकार अभी तक सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या को संतोषजनक स्तर तक कम नहीं कर पाई है।

10 मिनट में एंबुलेंस पहुंचाने की योजना-
गडकरी ने बताया कि केंद्र सरकार एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है, जिसके तहत हादसे की जगह पर 10 मिनट के भीतर एंबुलेंस पहुंचाई जाएगी। इसके लिए राज्यों को आधुनिक, हाई-टेक एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएंगी।
उन्होंने IIM की एक स्टडी का हवाला देते हुए कहा कि अगर घायलों को "गोल्डन ऑवर" में सही इलाज मिल जाए, तो करीब 50 हजार जिंदगियां हर साल बचाई जा सकती हैं। यह आंकड़ा बताता है कि हादसे के बाद समय पर चिकित्सा सुविधा कितनी अहम है।

सड़क परियोजनाओं में देरी भी चिंता का विषय-
सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सड़क निर्माण की रफ्तार पर भी सवाल खड़े हुए हैं। मंत्री ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में स्वीकृत 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 3.60 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से 300 परियोजनाएं एक साल से कम, 253 परियोजनाएं एक से तीन साल, और 21 परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से देरी का शिकार हैं। इसके अलावा 133 नई सड़क परियोजनाएं, जिनकी लागत लगभग 1 लाख करोड़ रुपये है, भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी के कारण अटकी हुई हैं। नितिन गडकरी ने बताया कि सरकार 2026 तक देशभर में सैटेलाइट आधारित टोल प्रणाली लागू करने जा रही है। यह सिस्टम सैटेलाइट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फास्टैग और नंबर प्लेट पहचान तकनीक पर आधारित होगा।
इससे वाहन बिना रुके टोल प्लाजा पार कर सकेंगे। । जहां पहले टोल पार करने में 3 से 10 मिनट लगते थे, अब इसे शून्य तक लाने का लक्ष्य है। इस नई व्यवस्था से 1,500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी और 6,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय....

अमीरी के बढ़ते आंकड़ों के बीच गरीब बच्चों के स्वास्थ्य पर घटता वैश्विक खर्च

दुनिया भर में गरीब बच्चों के स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च क्यों घट रहा है, यह सवाल आज बेहद गंभीर होता जा रहा है। हाल की दो अहम वैश्विक रिपोर्टों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। इन रिपोर्टों से साफ संकेत मिलता है कि एक तरफ दुनिया पहले से ज्यादा अमीर हो रही है, वहीं दूसरी तरफ गरीबी और अमीरी के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। इसका सबसे खतरनाक असर बच्चों, खासकर गरीब तबके के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। नेचर सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन, जिसे फिनलैंड के आल्टो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने तैयार किया है, 151 देशों के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1990 के बाद से वैश्विक स्तर पर देशों की राष्ट्रीय आय में लगभग 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देखने में यह एक बड़ी उपलब्धि लगती है, लेकिन इसकी सच्चाई यह है कि इस आर्थिक बढ़त का फायदा दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी तक नहीं पहुंच पाया। आय-असमानता इतनी बढ़ गई है कि विकास का फल कुछ सीमित वर्गों तक ही सिमट कर रह गया है। रिपोर्ट भारत का उदाहरण देते हुए बताती है कि देश के भीतर भी यह असमानता बेहद स्पष्ट है। दक्षिण भारत के राज्य उत्तर भारत की तुलना में ज्यादा खुशहाल नजर आते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि दक्षिणी राज्यों में समावेशी विकास पर ज्यादा जोर दिया गया। वहां की सरकारों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश किया। इसके उलट उत्तर भारत के कई हिस्सों में विकास की रफ्तार तो दिखी, लेकिन असमानता भी उतनी ही तेजी से बढ़ी। इसका नतीजा यह हुआ कि समाज का बड़ा हिस्सा बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह गया। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि भारत में भले ही जीडीपी तेजी से बढ़ी हो, लेकिन गहराई से आंकड़ों को देखने पर असमानता साफ नजर आती है। उदाहरण के तौर पर दिल्ली की प्रति-व्यक्ति आय बिहार के मुकाबले लगभग सात गुना अधिक है। इसी बीच गेट्स फाउंडेशन की एक अन्य रिपोर्ट ने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर और भी चिंताजनक तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्वास्थ्य मद में खर्च में करीब 27 प्रतिशत की कटौती हुई है। इस कटौती का सीधा असर गरीब बच्चों पर पड़ा है। स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश घटने से बाल मृत्यु दर बढ़ने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि अगर स्वास्थ्य खर्च में यह कटौती केवल 3 प्रतिशत और बढ़ जाती है, तो साल 2045 तक करीब 1.60 करोड़ अतिरिक्त बच्चे अकाल मृत्यु का शिकार हो सकते हैं। ये दोनों रिपोर्टें यह भी इशारा करती हैं कि संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य, जिसमें गरीबी, भूख और स्वास्थ्य से जुड़े अहम उद्देश्य शामिल हैं, सामूहिक रूप से विफल हो सकता है। जब तक सरकारें और वैश्विक संस्थाएं आर्थिक विकास के साथ-साथ समानता और सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान नहीं देंगी, तब तक विकास अधूरा ही रहेगा। साफ है कि दुनिया को अमीर होने के साथ-साथ इंसानियत में भी निवेश करना होगा, वरना इसकी सबसे बड़ी कीमत गरीब बच्चों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी।

"चुनाव आयोग का हाल-बेहाल: डगमगाता लोकतंत्र और बढ़ता सत्ता का साया"

-ईवीएम, वीवीपैट और पारदर्शिता पर संदेह की परतें

भारत में चुनाव आयोग को "लोकतंत्र का प्रहरी" कहा जाता है। इसकी भूमिका न सिर्फ चुनाव कराना है, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करना भी है। परंतु पिछले कुछ वर्षों में आयोग की कार्यशैली, निर्णय लेने की प्रक्रिया और सत्तारूढ़ दल के प्रति उसके रवैये को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। क्या चुनाव आयोग अब सत्ता के दबाव में आ गया है? क्या यह संस्थान अब निष्पक्ष और स्वतंत्र नहीं रहा? इस लेख में हम इन सभी पहलुओं का विश्लेषण करेंगे।

चुनाव आयोग: संरचना और संवैधानिक दर्जा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 तक चुनाव आयोग का उल्लेख मिलता है। आयोग का मुख्य कार्य संसद, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से संचालित करना है। पहले आयोग में केवल एक मुख्य चुनाव आयुक्त होते थे, लेकिन 1993 से इसमें दो अतिरिक्त चुनाव आयुक्तों को शामिल किया गया। आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए संविधान ने इसकी नियुक्ति और कार्यकाल को सुरक्षित किया है — लेकिन क्या आज यह सुरक्षा प्रभावी रह गई है?

राजनीतिक हस्तक्षेप और नियुक्तियों पर सवाल

2010 के बाद से आयोग की नियुक्तियों को लेकर अनेक विवाद खड़े हुए। पूर्व में आयोग में ऐसे अफसर नियुक्त होते थे जिनकी निष्पक्षता, प्रशासनिक दृढ़ता और राजनीतिक संतुलन की छवि होती थी। मगर हालिया वर्षों में यह धारणा तेजी से बदली है। उदाहरण के लिए, 2023 में लाए गए चुनाव आयुक्त नियुक्ति विधेयक में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता की समिति द्वारा नियुक्ति का प्रावधान किया गया। इसमें मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाना संविधान की आत्मा पर कुठाराघात के रूप में देखा गया। क्या यह बदलाव आयोग को कार्यपालिका के अधीन करने की

दिशा में नहीं है?

चुनाव आयोग के हालिया फैसले: पक्षपात के आरोप

आदर्श आचार संहिता पर दोहरा मापदंड

चुनावों के दौरान नेताओं के भड़काऊ भाषणों और सांप्रदायिक टिप्पणियों पर आयोग की प्रतिक्रिया संदिग्ध रही है। एक ओर विपक्षी नेताओं पर त्वरित कार्रवाई होती है, वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं पर आयोग अक्सर "मौन" रहता है।

वीवीपैट और ईवीएम विवाद

वोटिंग में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वीवीपैट का इस्तेमाल जरूरी माना गया। लेकिन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद 5% वीवीपैट मिलान से आगे कोई कदम नहीं उठाया। अनेक राज्यों में ईवीएम की "सील टूटने", "अनधिकृत व्यक्तियों के साथ पाए जाने" की खबरें आईं, लेकिन आयोग की ओर से या तो खंडन आया या जांच का आश्वासन — नतीजे सामने नहीं आए।

चुनाव की तारीखों की घोषणा में देरी और राजनीतिक लाभ

पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में यह आरोप लगा कि तारीखों की घोषणा जानबूझकर देर से की गई, जिससे सत्तारूढ़ दल को "रैलियों और उद्घाटनों" का पूरा मौका मिल सके।

चुनाव आयोग की निष्क्रियता: लोकतंत्र पर असर

जब देश की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था निष्पक्षता और पारदर्शिता से समझौता करती है, तो पूरे लोकतंत्र पर संकट मंडराता है। चुनावों में पैसे, बाहुबल और मीडिया के दुरुपयोग की निगरानी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। मगर आयोग की निष्क्रियता या चुप्पी ने इन अनियमितताओं को "नया सामान्य" बना दिया है। नतीजा — आम जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया से डगमगाने लगा है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और चेतावनी

मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा: "हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि देश का चुनाव आयोग कार्यपालिका का बंदी न बने।" कोर्ट ने आयोग को "स्वतंत्र और निष्पक्ष" बनाए रखने के लिए एक चयन समिति बनाने की बात कही थी, जिसमें CJI शामिल हो। लेकिन सरकार ने इसे नज़रअंदाज़ करते हुए नया विधेयक पारित कर दिया। यह स्थिति भारतीय लोकतंत्र की संरचनात्मक नींव को कमज़ोर करने वाली है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आयोग की भूमिका

चुनावों में मीडिया का प्रभाव काफी बढ़ चुका है। फर्जी खबरें, भ्रामक प्रचार और ट्रोलिंग आज आम बात है। इन पर नजर रखना भी आयोग की ज़िम्मेदारी है। लेकिन सवाल यह है — जब टीवी चैनल खुलेआम सत्ता पक्ष के पक्ष में झुके हुए दिखते हैं, और सोशल मीडिया पर विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार चलता है, तो आयोग का निगरानी तंत्र कहाँ है? 2019, 2021 और 2024 के आम चुनावों में ऐसे कई उदाहरण मिले जहाँ आयोग ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर कोई स्पष्ट या प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

चुनावी खर्च और पारदर्शिता का अभाव

वर्तमान व्यवस्था में प्रत्याशियों के चुनावी खर्च पर कुछ हद तक सीमा तय की गई है, लेकिन सच्चाई यह है कि "पार्टी फंडिंग" और "गुप्त चंदा" के ज़रिए करोड़ों रुपए चुनावों में खर्च होते हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड्स की व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया, क्योंकि यह गुप्त दान को बढ़ावा देती थी। लेकिन क्या चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर कभी खुलकर कोई रुख अपनाया? नहीं।

संवैधानिक संस्थाओं पर मंडराता ख़तरा

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता केवल एक संस्था की बात नहीं है — यह भारत के संविधान और लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ी हुई है। यदि यह संस्था निष्पक्ष न रहे, तो जनता का विश्वास टूटता है। और जब विश्वास टूटता है, तो लोकतंत्र केवल "चुनावी मशीन" बनकर रह जाता है — जिसमें वोटिंग तो होती है, लेकिन जन-आकांक्षा पर असर नहीं पड़ता।

संभावनाएं और समाधान: फिर से बहाली की ज़रूरत

आज यदि देश को एक मजबूत, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था चाहिए, तो निम्नलिखित सुधारों की सख्त जरूरत है: चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में पारदर्शिता हो CJI, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री — तीनों की समिति से नियुक्ति सुनिश्चित हो।

आयोग को संवैधानिक रूप से अधिक स्वतंत्र बनाया जाए

आयोग का बजट, प्रशासनिक स्वतंत्रता और जांच एजेंसियों पर अधिकार मजबूत किया जाए।

दोषपूर्ण आचार संहिता लागू करने पर स्वतः संज्ञान लेने की शक्ति का प्रयोग हो

केवल शिकायत के बाद नहीं, बल्कि स्वतः भी कार्रवाई हो।

चुनावी फंडिंग और खर्च की निगरानी के लिए अलग विंग बने

राजनीतिक दलों के फंडिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

मीडिया और सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग

आयोग को सायबर एक्सपर्ट्स और फेक न्यूज मॉनिटरिंग यूनिट की मदद लेनी चाहिए।

लोकतंत्र की आत्मा को बचाइए

भारत एक महान लोकतांत्रिक देश है। इसका लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संस्थाओं की निष्पक्षता और स्वतंत्रता से जीवित है जो इन चुनावों का संचालन करती हैं। यदि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो गई, तो लोकतंत्र केवल एक 'कागज़ी अवधारणा' बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता है कि नागरिक, मीडिया, न्यायपालिका और राजनीतिक दल मिलकर इस संस्था की स्वतंत्रता की रक्षा करें। क्योंकि अगर चुनाव आयोग "सत्ता का उपकरण" बन गया, तो जनता की आवाज़ खो जाएगी। और जब जनता की आवाज़ नहीं रहेगी, तब संसदीय लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं बचेगा।

भारत में चुनाव आयोग को लोकतंत्र का प्रहरी माना जाता है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इसकी निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल उठे हैं। आयोग की कार्यप्रणाली, नियुक्तियों की प्रक्रिया और सत्ता पक्ष के प्रति नरमी जैसी कई बातों ने इसकी साख को गहरा नुकसान पहुंचाया है। आयोग की नियुक्तियों में हाल के बदलाव, जैसे 2023 में लाए गए कानून से CJI को चयन समिति से हटाना, इसे कार्यपालिका के अधीन करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इससे आयोग की स्वतंत्रता को सीधी चोट पहुंची है। चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता के दोहरे मापदंड, ईवीएम और वीवीपैट विवाद, और तारीखों की घोषणा में देरी जैसे मामले, आयोग की भूमिका को संदिग्ध बनाते हैं। इसके अलावा मीडिया और सोशल मीडिया पर सत्ता के पक्ष में प्रचार तथा विपक्ष के खिलाफ ट्रोलिंग पर आयोग की चुप्पी लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। चुनावी खर्च और गुप्त फंडिंग जैसे मुद्दों पर भी आयोग की निष्क्रियता दिखी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड्स को अवैध करार दिए जाने के बावजूद आयोग का ठोस रुख सामने नहीं आया। इन हालातों में आयोग की स्वतंत्रता और साख को बचाने के लिए जरूरी है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता हो, जांच एजेंसियों पर आयोग का नियंत्रण बढ़े और स्वतः संज्ञान की शक्ति का प्रयोग किया जाए।

चीन की कथनी और करनी में फर्क: दोस्ती की बातों के पीछे छिपा विस्तारवाद

-भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया: संयम के साथ शक्ति प्रदर्शन

दुनिया की दो सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश—भारत और चीन—के रिश्ते ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से काफी पुराने हैं। हालांकि बीते कुछ दशकों में इन संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में, चीन की कथनी और करनी में बढ़ते फर्क ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या चीन एक भरोसेमंद पड़ोसी है? भारत को आज जहां वैश्विक स्तर पर बड़ी ताकतों का समर्थन मिल रहा है, वहीं चीन के साथ रिश्तों में सतर्कता की ज़रूरत भी महसूस की जा रही है। चीन एक तरफ व्यापार और कूटनीति की बातें करता है, वहीं दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर घुसपैठ, दक्षिण चीन सागर में आक्रामकता, और छोटे पड़ोसी देशों को आर्थिक जाल में फंसाना उसकी दोहरी रणनीति का हिस्सा है।

चीन की विस्तारवादी सोच

चीन की नीतियों में सदियों से ही एक प्रकार की 'विस्तारवादी सोच' देखी जाती रही है। चाहे तिब्बत पर कब्ज़ा हो, हांगकांग की स्वायत्तता खत्म करना, या फिर दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप बनाकर सैनिक अड्डे खड़ा करना—चीन ने हमेशा यह दिखाया है कि उसकी कथनी और करनी में मेल नहीं है। भारत के संदर्भ में, चीन बार-बार कहता रहा है कि वह सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाना चाहता है, पर उसके सैनिक बार-बार भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हैं। गलवान घाटी की घटना ने चीन के असली चेहरे को बेनकाब कर दिया।

व्यापार में निर्भरता: एक धोखा या मजबूरी?

भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत मजबूत रहे हैं। भारत में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी और दवाओं के लिए कच्चा माल आदि में चीन की हिस्सेदारी बहुत अधिक है। भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम तो उठाए हैं, पर चीन अभी भी भारतीय बाज़ार में एक मजबूत खिलाड़ी बना हुआ है। चीन ने भारत में निवेश बढ़ाने की कोशिशें भी की हैं, लेकिन यह निवेश कई बार रणनीतिक क्षेत्रों में किया गया है, जैसे टेक स्टार्टअप्स, फाइनेंस, और सोशल मीडिया ऐप्स। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह आर्थिक सहयोग है या भविष्य में नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश?

कूटनीति के मंच पर दोहरी चाल

चीन, एक तरफ ब्रिक्स (BRICS), शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और G20 जैसे मंचों पर भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात करता है, लेकिन दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा दिखाई देता है। चीन ने कई बार पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों और आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में डलवाने से रोका है। यह बात भारत के लिए चिंताजनक है कि एक ओर दोस्ती की बातें होती हैं, और दूसरी ओर दुश्मनों का समर्थन।

तकनीकी और साइबर सुरक्षा में खतरा

चीन की तकनीकी कंपनियों के भारत में बढ़ते प्रभाव को लेकर हाल के वर्षों में चिंता बढ़ी है। टिकटॉक, वीचैट, अलीबाबा और अन्य चीनी कंपनियां न केवल डेटा एकत्र कर रही थीं बल्कि सामरिक दृष्टि से संवेदनशील सूचनाओं को भी प्रभावित कर सकती थीं। इसी कारण भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से दर्जनों चीनी ऐप्स को बैन किया। इसके पीछे कारण था—साइबर जासूसी और डेटा की चीन को संभावित आपूर्ति। यह एक और उदाहरण है कि चीन किस प्रकार कथनी में सहयोगी और करनी में चालाक है।

सीमा विवाद और सैनिक टकराव

भारत-चीन सीमा पर तनाव कोई नई बात नहीं है। 1962 की जंग, 1967 की नाथू ला झड़प, 2017 का डोकलाम गतिरोध और 2020 का गलवान संघर्ष इस बात की मिसालें हैं कि चीन विश्वासघात से बाज नहीं आता। भारत बार-बार बातचीत से समाधान की बात करता है, लेकिन चीन LAC पर स्थिति को बदलने की कोशिश करता है। सैटेलाइट तस्वीरों और रिपोर्टों में यह साफ दिखा कि चीन ने कई बार भारतीय क्षेत्रों में घुसपैठ की, बंकर बनाए और सैन्य निर्माण किए।

वैश्विक रणनीति: 'डेथ ट्रैप डिप्लोमेसी'

चीन की विदेश नीति में 'Belt and Road Initiative (BRI)' के ज़रिए छोटे और गरीब देशों को कर्ज़ में डुबोकर उन्हें अपने अधीन करने की रणनीति देखी गई है। श्रीलंका में हम्बनटोटा पोर्ट इसका उदाहरण है, जहां कर्ज़ न चुका पाने की स्थिति में बंदरगाह को 99 साल के लिए चीन को सौंपना पड़ा। भारत ने BRI का विरोध किया है क्योंकि इसका एक हिस्सा पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है, जिसे भारत अपनी संप्रभुता पर हमला मानता है।

चीन की जनरल पब्लिक ओपिनियन और सरकारी रवैया

चीन की आंतरिक राजनीति, सेंट्रल कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में है। वहां की मीडिया, सोशल मीडिया और हर विचार पर सरकार की पूरी पकड़ है। आम जनता को जो बताया जाता है, वही वह मानती है। चीन के नागरिकों को भारत या अन्य देशों की सही तस्वीर नहीं दिखाई जाती। इससे चीन में भारत विरोधी भावना को बढ़ावा मिलता है, जो फिर सरकार के आक्रामक रवैये को वैधता देती है।

भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया: संयम, पर सख्ती के साथ

भारत ने हमेशा शांति और स्थायित्व की नीति अपनाई है। लेकिन अब भारत ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। गलवान के बाद भारत ने सेना को मजबूत किया, सड़कों का निर्माण तेज़ किया, और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति को बढ़ाया। भारत ने क्वाड (QUAD) समूह के साथ अपनी भागीदारी को मज़बूत किया है, जिसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं। इससे चीन को कड़ा संदेश गया है कि भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है।

चीन की कथनी और करनी का अंतर्विरोध

चीन की नीति "मुस्कान के पीछे दाँत" की तरह रही है। वह एक ओर आर्थिक भागीदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की बात करता है, लेकिन उसकी हरकतें विश्वास तोड़ने वाली होती हैं। भारत जैसे राष्ट्र को यह समझना होगा कि चीन को शब्दों से नहीं, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से परखना चाहिए। हमारे पड़ोसी की चालबाजियों पर कड़ी निगरानी और रणनीतिक जवाब समय की मांग है। भारत और चीन, दोनों एशियाई महाशक्तियाँ हैं। यदि दोनों देशों में विश्वास होता तो एशिया एक नया युग देख सकता था।

हमेशा के लिए बंद करने होंगे आरजीएचएस में भ्रष्टाचार के दरवाजे

-गड़बड़ियों की परतें: कहाँ छिपा है भ्रष्टाचार?

राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई राजस्थान सरकारी स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस - Rajasthan Government Health Scheme) प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। इस योजना का उद्देश्य था कि सरकारी कार्मिकों और उनके परिजनों को कैशलेस और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सके। लेकिन अफसोस की बात यह है कि जिस योजना से लोगों को राहत और विश्वास मिलना चाहिए था, वह अब भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं का गढ़ बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में सामने आए तथ्य बताते हैं कि निजी अस्पतालों, फार्मा कंपनियों, डॉक्टरों और दलालों की मिलीभगत ने इस योजना की जड़ों को खोखला कर दिया है। कई अस्पतालों ने फर्जी बिलिंग, गैरज़रूरी टेस्ट, महंगी दवाओं की अनिवार्यता और काल्पनिक मरीजों के नाम पर करोड़ों रुपये का खेल खेला। वहीं, सरकारी तंत्र की ढिलाई और कभी-कभी मिलीभगत ने इसे और बढ़ावा दिया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर सरकार कब तक सिर्फ चेतावनी देती रहेगी? क्या भ्रष्टाचार के दरवाजे सिर्फ बयानों से बंद होंगे? या फिर अब वह वक्त आ गया है जब सख्ती दिखनी भी चाहिए और महसूस भी होनी चाहिए।

योजना का उद्देश्य और पृष्ठभूमि

आरजीएचएस की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि राज्य सरकार के कर्मचारी, पेंशनर और उनके परिवारजन बिना किसी आर्थिक बोझ के, निजी व सरकारी अस्पतालों में आधुनिक इलाज की सुविधा पा सकें। योजना में लगभग 13 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी व पेंशनर परिवार जुड़े हुए हैं। इन सभी को कैशलेस हेल्थकेयर सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसमें सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ एम्पैनल्ड निजी अस्पतालों को भी जोड़ा गया। मंशा साफ थी कि सरकारी कर्मचारी और उनके परिजन इलाज के लिए पैसे की चिंता से मुक्त रहें।

लेकिन योजना शुरू होते ही इसमें गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार की खबरें आने लगीं।

गड़बड़ियों की परतें: कहाँ छिपा है भ्रष्टाचार?

अस्पतालों की मनमानी

कई निजी अस्पतालों ने योजना के तहत इलाज करने से ही इनकार कर दिया। जिन मरीजों को भर्ती किया भी गया, उनसे कैश पेमेंट की मांग की गई। अस्पतालों ने सरकारी भुगतान में देरी का बहाना बनाकर मरीजों को योजना से वंचित किया।

फर्जी बिल और काल्पनिक मरीज

स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्टों में सामने आया कि अस्पतालों ने फर्जी बिल बनाए। कई बार मरीज भर्ती ही नहीं हुए, लेकिन उनके नाम पर लाखों रुपये का बिल उठाया गया। मरीजों को छोटे-मोटे रोग होने पर भी महंगे पैकेज दिखाकर क्लेम किया गया।

महंगी ब्रांडेड दवाइयों की अनिवार्यता

योजना में ब्रांडेड दवाइयों को अनुमति दी गई, जबकि जेनेरिक दवाएं भी पर्याप्त थीं। इससे दवा कंपनियों और अस्पतालों की मिलीभगत से बड़े घोटाले हुए। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों पर दवा लेने का दबाव डाला गया।

डॉक्टरों की भूमिका

कुछ डॉक्टरों पर आरोप लगे कि उन्होंने मरीजों को जानबूझकर निजी अस्पतालों की ओर रिफर किया। वहाँ पहुँचने पर अनावश्यक टेस्ट, सर्जरी और पैकेज के नाम पर बिल बढ़ाए गए। डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के बीच कमीशनखोरी का खेल चला।

सरकारी तंत्र की ढिलाई

अस्पतालों के बिल पास करने से पहले कड़ी जांच नहीं की गई। गड़बड़ियों के बावजूद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई। सिर्फ चेतावनी या ब्लैकलिस्ट करने की घोषणा करके मामले दबा दिए गए।

कर्मचारियों और पेंशनरों की पीड़ा

योजना का सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को हुआ, जिनके लिए यह जीवन रक्षक योजना थी। पेंशनर, जिनकी आय का मुख्य साधन सीमित है, उन्हें इलाज के लिए अपनी जेब से पैसे देने पड़े। कई मामलों में गंभीर बीमारियों के मरीजों को अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। इलाज से इनकार की वजह से मरीजों की हालत बिगड़ी और कुछ मामलों में मौत तक हो गई। कर्मचारियों ने महसूस किया कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए बनी योजना पर निगरानी रखने में विफल रही।

सरकार के कदम: बयानों से आगे क्या?

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और राज्य सरकार ने समय-समय पर कहा कि अस्पतालों की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पतालों को चेतावनी दी गई, कई को ब्लैकलिस्ट भी किया गया। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि — अब भी कई निजी अस्पताल योजना के तहत मरीजों को भर्ती नहीं कर रहे। करोड़ों रुपये के फर्जी क्लेम की जांच अधर में लटकी है। दोषियों पर ठोस कार्रवाई का अभाव है। सरकार ने हाल ही में यह भी संकेत दिया कि आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर सख्ती और पारदर्शिता लाई जाएगी। लेकिन तब तक कर्मचारियों और पेंशनरों का भरोसा डगमगाता रहेगा।

क्यों बढ़ा भ्रष्टाचार?

पारदर्शी मॉनिटरिंग की कमी

योजना में रीयल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम मजबूत नहीं है। अस्पताल क्या इलाज कर रहा है और क्या बिलिंग कर रहा है, इसका सीधा ट्रैकिंग सिस्टम नहीं है।

भुगतान में देरी

सरकार की ओर से अस्पतालों को भुगतान में देरी होने पर उन्होंने दबाव डालकर कैश पेमेंट लिया। इससे अस्पतालों को भ्रष्टाचार का मौका मिला।

कड़ी सज़ा का अभाव

भ्रष्टाचार पकड़ में आने पर अस्पतालों को सिर्फ चेतावनी दी गई। जेल, भारी जुर्माना और लाइसेंस रद्द जैसे कठोर कदम नहीं उठाए गए।

लॉबी और दबाव

बड़े अस्पतालों और फार्मा कंपनियों की मजबूत लॉबी है। राजनीतिक दबाव और आर्थिक ताकत से कई मामले दबा दिए जाते हैं।

आगे का रास्ता: सुधार और सख्ती दोनों जरूरी

योजना को 100% डिजिटल और पेपरलेस बनाया जाए। मरीज भर्ती से लेकर डिस्चार्ज तक की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज हो। मरीज और परिवार को SMS/WhatsApp अपडेट भेजे जाएँ।

रीयल टाइम मॉनिटरिंग

हर अस्पताल में सीसीटीवी लिंक्ड मॉनिटरिंग सिस्टम हो।

जयपुर म्यूज़िक स्टेज 2026: तीन दिनों तक गूंजेगा समकालीन भारतीय संगीत का रंगीन संसार

जयपुर ।प्रतिष्ठित जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित होने वाला जयपुर म्यूज़िक स्टेज (जेएमएस) एक बार फिर संगीत प्रेमियों के लिए खास अनुभव लेकर लौट रहा है। 15 से 17 जनवरी 2026 के बीच होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में आयोजित होने वाला यह मंच देश के समकालीन और स्वतंत्र संगीत परिदृश्य की विविधता, ऊर्जा और रचनात्मकता का उत्सव होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में इंडी म्यूज़िक के लोकप्रिय कलाकार, प्रयोगधर्मी संगीत समूह और अलग-अलग शैलियों के प्रतिनिधि कलाकार अपनी सजीव प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। जयपुर म्यूज़िक स्टेज ने बीते वर्षों में खुद को भारत के सबसे प्रतीक्षित संगीत आयोजनों में शामिल किया है। यह मंच न केवल उभरते और स्थापित कलाकारों को एक साथ लाता है, बल्कि भारतीय संगीत की बदलती ध्वनियों और प्रयोगों को भी सशक्त रूप में सामने रखता है।

15 जनवरी: शास्त्रीयता और लोक-ऊर्जा का संगम-

उद्‌घाटन दिवस की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सरोद वादक सौमिक दत्ता | ट्रैवलर्स की विशेष प्रस्तुति से होगी। वर्ष 2025 के ईस्टर्न आई एक्टा् अवॉर्ड फ़ॉर म्यूज़िक से सम्मानित सौमिक दत्ता अपनी अनूठी शैली के लिए जाने जाते हैं, जिसमें सरोद की भावनात्मक ध्वनि को एम्बिएंट साउंड, फ़ील्ड रिकॉर्डिंग, स्पोकन वर्ड और इमर्सिव साउंड डिज़ाइन के साथ जोड़ा जाता है। यह प्रस्तुति उनके सात महीने लंबे प्रोजेक्ट मेलोडीज़ इन स्लो मोशन का हिस्सा है, जो भारत की एक लंबी और गहन संगीत यात्रा को दर्शाती है। इसी शाम मंच पर वसु दीक्षित कलेक्टिव भी अपनी ऊर्जावान उपस्थिति दर्ज कराएगा। कन्नड़ और हिंदी लोक परंपराओं से प्रेरित यह इलेक्ट्रॉनिक-फ़ोक समूह संत बसवन्ना और कबीर जैसे कवियों की रचनाओं को आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत करने के लिए जाना जाता है। वसु दीक्षित के नेतृत्व में यह समूह अपनी आत्मा को झकझोर देने वाली प्रस्तुतियों के लिए खास पहचान रखता है।

16 जनवरी: इंडी संगीत की प्रभावशाली आवाज़ें-

दूसरे दिन जयपुर म्यूज़िक स्टेज पर भारत के स्वतंत्र संगीत जगत की कुछ सबसे प्रभावशाली आवाज़ें एक साथ सुनने को मिलेंगी। शाम का मुख्य आकर्षण होगा प्रशंसित रॉक बैंड परवाज़, जो अपनी प्रोग्रेसिव और साइकेडेलिक रॉक शैली के लिए जाना जाता है। लोक और विश्व संगीत के तत्वों से सजी उनकी ध्वनि ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई है। दिसंबर 2025 में जारी हुआ उनका नया एल्बम ना गुल ना गुलिस्तान पहले ही अंतरराष्ट्रीय इंडी चार्ट्स में शीर्ष स्थान हासिल कर चुका है। इसके साथ ही मंच साझा करेंगे प्रसिद्ध गायक-गीतकार रमन नेगी, जिनका संगीत बीते लगभग दो दशकों से भारतीय इंडी सीन को दिशा देता रहा है। उनके एल्बम शख़्सियतB(2022) और चलते पुर्ज़े (2024) आज भी श्रोताओं के दिलों में गूंज रहे हैं। जयपुर के लोक-फ़्यूज़न समूह युग्म की प्रस्तुति भी इस शाम को खास बनाएगी, जो सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कथात्मक शैली और आधुनिक धुनों के मेल के लिए जाना जाता है।

17 जनवरी: भव्य और ऊर्जावान समापन-

फ़ेस्टिवल का समापन 17 जनवरी को एक ज़बरदस्त फ़िनाले के साथ होगा, जिसका नेतृत्व करेगा बहुचर्चित बहु-शैली संगीत समूह थैक्कुडम ब्रिज। 15 सदस्यों वाला यह बैंड अब तक दुनिया भर में एक हज़ार से अधिक लाइव प्रस्तुतियाँ दे चुका है और अपनी भव्य स्टेज परफॉर्मेंस के लिए प्रसिद्ध है। इस दिन गौली भाई भी अपनी प्रस्तुति देंगे, जो नेपाली लोक, ब्लूज़, रॉक, हिप हॉप और अफ़्रोबीट का अनोखा संगम प्रस्तुत करने वाली समकालीन फ़ोक-रॉक चौकड़ी है। 2017 में गठित इस समूह ने अपनी भावपूर्ण गायकी और समुदाय-केंद्रित संगीत के दम पर देश-विदेश में एक मज़बूत श्रोता वर्ग तैयार किया है।

संगीत का उत्सव-

जयपुर म्यूज़िक स्टेज के फ़ेस्टिवल प्रोड्यूसर अविक रॉय के अनुसार, यह मंच भारत के प्रमुख स्वतंत्र कलाकारों को एक साझा मंच देने और देश के इंडी संगीत की विविधता व ताकत का उत्सव मनाने का प्रयास है। वर्षों से यह जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल का एक अहम सांस्कृतिक हिस्सा रहा है, जो दर्शकों को समकालीन भारतीय संगीत की गहराई और व्यापकता से रूबरू कराता है। 2026 का संस्करण भी इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रचनात्मक सहयोग, स्वतंत्र अभिव्यक्तियों और समुदाय के संगम को एक यादगार संगीत अनुभव में बदलने का वादा करता है।

पेपरलीक के आरोपी गिरफ्तार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

-नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान- जनकल्याण और प्रदेश के विकास को समर्पित दो साल

-शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व कार्य, भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दो वर्ष पहले जनता ने हमें सेवा के लिए चुना था। हमारे ये दो साल जनकल्याण और प्रदेश के विकास को समर्पित रहे हैं। जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए हमारी सरकार सभी वर्गों के कल्याण एवं उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन दो वर्ष में हुए विकास कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए विकास रथ सभी विधानसभाओं में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे उसमें उपलब्ध सुझाव पेटिका में राज्य के विकास से संबंधित अपने सुझाव दें, जिससे आगामी समय में उन कार्यों को पूरा किया जा सके। शर्मा बुधवार को आहोर (जालोर) में ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविर तथा जालोर जिले के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आज जालोर में 338 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इसके तहत केशवाना के राजकीय कृषि महाविद्यालय और रानीवाड़ा, चित्तलवाना एवं सांचौर के राजकीय महाविद्यालयों के भवनों तथा हेमागुढ़ा में 33/11 केवी सब स्टेशन और प्रधानमंत्री कुसुम योजना के कंपोनेंट सी के तहत 8 सौर ऊर्जा संयंत्रों का लोकार्पण किया गया। साथ ही, 237 करोड़ रुपये से अधिक राशि के सड़क उन्नयन सहित विभिन्न विकास कार्यों की भी नींव रखी गई है। इनमें प्रधानमंत्री कुसुम योजना-ए के तहत जिले में 19 सौर ऊर्जा संयंत्रों तथा कंवला में 33/11 केवी सबस्टेशन के भी निर्माण शामिल हैं।

शिविरों से घर के नजदीक हो रहे काम, लाखों जरूरतमंदों को मिल रही राहत-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेश भर में एक महीने तक ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन करवाया गया था। उस समय लगाए गए इन शिविरों से लोगों के बरसों के अटके काम पूरे हुए। साथ ही, हमने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया, जिसमें राज्य भर में शिविर आयोजित कर सरकारी विभागों से जुड़े काम किए गए और लाखों जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के संकल्प के साथ ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविरों की शुरुआत की गई है। प्रदेश में संचालित हो रहे इन शिविरों से घर के नजदीक ही लोगों के काम आसानी से हो सकेंगे।

दो साल में जलापूर्ति हेतु लगातार लिए निर्णय-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम किए हैं। हमने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए करीब 92 हजार पदों पर नियुक्तियां दी हैं और 1 लाख 53 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने दो साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला से जवाई बांध में पानी आने सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह हमने प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बल्कि सरप्लस स्टेट बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

राज्य सरकार युवाओं के लिए लाएगी नई नीति-

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख 18 हजार किसानों को 10 हजार 432 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे खातों में भेजी गई है तथा गेहूं की खरीद पर 2025-26 में 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पिछले दो वर्ष में लगभग 10 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गया है तथा 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई हैं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को डेढ़ लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए 132 नए पैकेज जोड़े गए हैं तथा मा वाउचर योजना से अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाओं को सुविधा का लाभ मिल चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष राइजिंग राजस्था न ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ के एमओयू हुए जिनमें से 8 लाख करोड़ से अधिक के प्रोजेक्टास की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हम युवाओं के लिए शीघ्र ही नई नीति भी लाने जा रहे हैं।

राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी बनी तकनीक और ज्ञान का प्रभावी मंच

-राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के तीसरे दिन भी युवाओं एवं आमजन में बना रहा उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जवाहर कला केंद्र में चार दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी "नव उत्थान–नई पहचान, बढ़ता राजस्थान–हमारा राजस्थान" का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी के तीसरे दिन बुधवार को भी आमजन विशेषकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रदर्शनी में प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे विशेष सत्रों एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा नीतियों से संबंधित साहित्य के माध्यम से नागरिकों को जागरूक एवं शिक्षित किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित चिलेक्स् प्रश्नोत्तरी एवं एआई पैनल क्विज़ ने आगंतुकों में विशेष आकर्षण पैदा किया, जिससे यह प्रदर्शनी तकनीक और ज्ञान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। प्रदर्शनी में लगाई गई विभिन्न विभागों की स्टॉल्स के माध्यम से राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों एवं उत्पादों को मॉडल और आकर्षक प्रस्तुतियों के जरिए आमजन के समक्ष प्रदर्शित किया जा रहा है। इन स्टॉल्स पर विभागों से संबंधित नवाचारों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

विशेष सत्रों (DIPR DIA-LOGUES) से बढ़ रही आमजन में जागरूकता—

तीसरे दिन आयोजित विशेष सत्रों की श्रृंखला में राजस्थान पुलिस द्वारा विकसित राजकॉप सिटिजन ऐप की जानकारी साझा की गई। सत्र में बताया गया कि यह ऐप किस प्रकार आपात स्थिति में नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराता है। ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करने, एफआईआर की स्थिति जानने, गुम या चोरी हुए मोबाइल एवं वाहनों से संबंधित जानकारी प्राप्त करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ऐप राज्य में स्मार्ट पुलिसिंग एवं नागरिक-पुलिस सहभागिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसी क्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा सीपीआर तकनीक (आपातकालीन जीवन-रक्षक प्रक्रिया) का लाइव प्रदर्शन किया गया। सत्र के दौरान आगंतुकों को यह जानकारी दी गई कि किस प्रकार आपात स्थिति में सही तरीके से सीपीआर देकर किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। इस दौरान प्रदर्शनी में मौजूद आगंतुकों ने सीपीआर तकनीक से संबंधित प्रश्न पूछ कर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया एवं दल के सदस्यों के साथ लाइव प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया।

"शहरी समस्या समाधान 2025"के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

-आदर्श नगर जोन में आयोजित "शहरी समस्या समाधान शिविर"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 16 दिसम्बर 2025 से 24 दिसम्बर 2025 तक "शहरी समस्या समाधान 2025" शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को आदर्श नगर जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण आदर्श नगर जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 116 से 132 जोन कार्यालय सेक्टर-4 जवाहर नगर में आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। 18 दिसम्बर 2025, गुरूवार को जगतपुरा जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण जगतपुरा जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 59 से 63 एवं 68 कार्यालय जगतपुरा जोन नन्दपुरी अण्डरपास एवं झालाना जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण झालाना जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 64 से 67 एवं 69 से 72 कार्यालय जगतपुरा जोन नन्दपुरी अण्डरपास में आयोजित किया जायेगा।

नगर निगम आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने बुधवार को आदर्श नगर जोन के जोन कार्यालय, सेक्टर-4 जवाहर नगर में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया आमजन से फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के तत्काल निस्तारण के भी निर्देश दिये। आयुक्त ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत् 15 हजार रूपये का चैक लाभार्थियों को 15 हजार एवं 25 हजार रूपये के चैक प्रदान किये। इस अवसर पर आदर्श नगर जोन उपायुक्त तथा सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे। "शहरी समस्या समाधान शिविर-2025" के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 10:00 बजे से 05:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहत-

आदर्श नगर जोन के वार्ड नं. 92 में गुरूरामदास मार्ग, आचार्य कृपलानी मार्ग, फ्रन्टीयर कॉलोनी बर्फखाना रोड़ तनेजा ब्लॉक एवं बाल भवन के पास, साकेत कॉलोनी, अशोक चौक में वर्षा के कारण बड़े-बड़े गड्ढे होने से आमजन व जनप्रतिनिधियों के द्वारा लगातार जोन कार्यालय में सड़क मरम्मत हेतु शिकायत प्राप्त होने से आदर्श नगर जोन अधिशाषी अभियन्ता के द्वारा गुरूरामदास मार्ग, आचार्य कृपलानी मार्ग, फ्रन्टीयर कॉलोनी बर्फखाना रोड़ तनेजा ब्लॉक एवं बाल भवन के पास एवं अन्य स्थानों पर डामर सड़क मरम्मत का कार्य के तहत कार्यादेश राशि रूपये 55.32 लाख के द्वारा वर्षा के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य करवाया गया जिससे आ रही समस्याओं का समाधान किया गया।

पर्यावरण संरक्षण और स्वटतन्त्रबता संग्राम सेनानियों की वीर गाथाएं समाज के लिए महत्वमपूर्ण –देवनानी

-विधानसभा अध्यक्ष का उदयपुर की संस्थाओं ने किया अभिनन्दकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का बुधवार को विधान सभा में उदयपुर की स्वंतयसेवी संस्थााओं ने मेवाडी पगड़ी व दुपट्टा पहनाकर, शॉल ओढाकर और आकाशीय अभिनन्दान पत्र भेंट कर अभिनन्द न किया। अभिनन्दान पत्र में उल्लेपख किया गया है कि राजस्थाऔन विधान सभा के अध्यनक्ष वासुदेव देवनानी प्रदेश के प्रमुख राजनैतिज्ञ और अजमेर उत्त र से 2003 से लगातार विधायक पद पर निर्वाचित होने का रिकार्ड हासिल करने वाले शिक्षाविद मंगलमैत्री के अनुयायी, करूणा के सागर, सामाजिक कार्यों के प्रेणेता, वाक शैली और बुद्धि चातुर्य के पर्याय, सेवा व कर्त्ताव्ये के आयाम स्था पित करने वाले राजनीति के सशक्त, हस्ताीक्षर और सहज, सौम्या व्य क्तित्वम व गहन चिन्तषन के कीर्ति स्ततम्भय है। स्पीनकर देवनानी ने वृक्षम अमृतम सेवा संस्थाषन, उदयपुर को वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए मिले लंदन बुक ऑफ वर्ल्डत रिकार्डस का अवलोकन किया। देवनानी ने संस्थान को मिले इस पुरस्कामर के लिए संस्था पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने मनोहर लाल व्यास, गोपेश शर्मा, यशवन्तन त्रिवेदी और नीलेश पालीवाल को वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए मेवाडी पगडी और दुपट्टा पहनाकर सम्माानित किया।

69 हजार 300 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 14 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़ से झालाना रोड, 07 नंबर चौराहे से बॉम्बे हॉस्पिटल के दोनों तरफ तथा सेक्टर 09 इन्द्रा गांधी नगर से अवैध हटवाड़ा, बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट, न्यू गेट, लिंक रोड, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, रामगंज, हवामहल बाजार, सिरसी रोड, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, झोटवाड़ा रोड, चांदपोल मेट्रो स्टेशन, शास्त्री नगर, पावर हाउस, सीकर हाउस पेंटर कालोनी से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 69 हजार 300 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 14 केन्टर सामान जब्त किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की स्टॉल पर विजिटर्स का बढ़ा फुटफॉल

-योजनाओं की जानकारी लेने में युवाओं से लेकर बुजुर्ग और महिलाएं भी पीछे नहीं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कार्यकाल के शानदार दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जयपुर स्थित जवाहर कला केन्द्र में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से 15 दिसम्बर से आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की स्टॉल पर योजनाओं की जानकारी लेने के लिए विजिटर्स की ओर से खासा उत्साह नजर आ रहा है। योजनाओं की जानकारी लेने में युवाओं के साथ से बुजुर्ग और महिलाएं भी खासी रुचि ले रहे हैं। बुधवार को बानसूर से प्रदर्शनी देखने आए 22 वर्षीय रोहित यादव ने बताया कि मुझे प्रदर्शनी में आकर मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना किसी जाति/वर्ग की न होकर जरूरतमंद उन बच्चों के लिए है, जो उच्च शिक्षण संस्थानों में आर्थिक अभाव के चलते अध्ययन नहीं कर पाते हैं। योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं (आईआईएम, आईआईटी) में अध्ययन करने वाले राज्य के सभी वर्गों के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सभी वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की सूचीबद्ध शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नियमानुसार उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के रूप में ली जाने वाली कुल अनिवार्य अप्रतिदेय (नॉन रिफण्डेबल) फीस का 50 प्रतिशत फीस राशि दिये जाने का प्रावधान है। मैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करता हूं कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में ऐसी योजनाओं से युवा लाभान्वित हो रहे हैं। सीकर से आई 43 वर्षीया आरती सिहाग ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा यूं तो हर वर्ग के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है, लेकिन दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक-बालिकाओं के लिए संचालित 'मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना' खासी प्रभावी लगी।

हर घर नल से जल की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ी राज्य सरकार: जल भवन में मंत्रियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को जल भवन में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने वर्तमान सरकार के 2 साल के सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व पर आभार व्यक्त किया। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल परियोजनों को लेकर अहम निर्णय लिए गए हैं। सरकार सकारात्मक और दूरगामी सोच के साथ हर घर तक नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। जल जीवन मिशन के तहत गत सरकार ने प्रति वर्ष औसतन 1000 गांवों के अनुसार 5 वर्षों में 5 हजार 27 गांवों में 39.28 लाख कनेक्शन देकर 19 हजार 500 करोड़ रुपए (औसतन प्रति वर्ष 3900 करोड़) व्यय किए थे। वहीं, हमारी सरकार ने 4000 गांव प्रति वर्ष अनुसार 2 वर्ष में ही 7 हजार 900 से अधिक गांवों में 13.78 लाख कनेक्शन दे दिए हैं। इन पर प्रति वर्ष 5300 करोड़ रुपए के अनुसार 10 हजार 612 करोड़ रुपए व्यय हुआ। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि मिशन के तहत शेष कनेक्शन देने की प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है, आगामी दो वर्षों में सभी कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे। अमृत 2.0 के तहत आमजन और जनप्रतिनिधियों के सुझाव लेकर कार्यों को गति दी जा रही हैं। अब तक 175 नगरीय निकायों के लिए 54 निविदाएं आमंत्रित की गई। इनमें से 104 निकायों की 32 निविदाओं में 1174.45 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी कर कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। शेष 73 निकायों के लिए 2521.42 करोड़ रुपए की 22 निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी है।

भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई—

चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई कर रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत कार्यों में अनियमितता की शिकायतों पर अविलम्ब जांच कराई गई। जनवरी 2024 से दिसम्बर 2025 तक सीसीए नियम-16 के तहत 86, सीसीए नियम-17 में 50, सीसीए नियम-16 एवं 17 के तहत प्रशासनिक विभाग को 52 आरोप पत्र प्रस्तावित किए गए हैं। इसी तरह मैसर्स श्याम व गणपति ट्यूबवैल प्रकरण में 139 कार्मिकों पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, अन्य जांच रिपोर्ट प्रकरणों में 52 कार्मिकों पर आरोप पत्र जारी किए जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि 17-ए में 18 अधिकारियों के विरूद्ध अनुमति जारी की गई। साथ ही, 37 अधिकारियों पर निलम्बन की कार्यवाही की गई हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि राज्य में 3720 नये नलकूपों का निर्माण कर चालू किया गया जिससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के पेयजल संकट से प्रभावित क्षेत्रों को राहत पहुंचाई गई।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति में मंडावर के मनोज खंडेलवाल को बड़ी जिम्मेदारी, दौसा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

शफीक अली

मंडावर-दौसा (रॉयल पत्रिका)। पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति ऑल इंडिया के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुमित कुमार बैरवा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद वर्मा की संस्तुति पर दौसा जिले के मंडावर निवासी वरिष्ठ पत्रकार मनोज खंडेलवाल को पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति रजि. राजस्थान का दौसा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। निर्भीक पत्रकारिता, सशक्त लेखनी और जमीनी सरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले मनोज खंडेलवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन ने उनसे पत्रकार हितों की रक्षा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कार्यों को पूरी निष्ठा व प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने तथा संगठन को जिला स्तर पर सशक्त और विस्तारित करने की अपेक्षा जताई है। प्रदेश अध्यक्ष सुमित कुमार बैरवा ने नियुक्ति के साथ स्पष्ट किया कि पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सक्रिय, जिम्मेदार और क्षेत्र से जुड़े नेतृत्व की आवश्यकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मनोज खंडेलवाल अपने अनुभव और कार्यशैली से संगठन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारेंगे। अपनी नियुक्ति पर मनोज खंडेलवाल ने राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि सौंपे गए दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ करेंगे तथा संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पत्रकार हित में निरंतर कार्य करेंगे। नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों और शुभचिंतकों की ओर से फोन कॉल, संदेश और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया

कोटा (रॉयल पत्रिका)। विज्ञान नगर स्थित YGN स्कूल मे अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, एक उम्मीद सेवा संस्था के डॉ. रियाज अहमद ने कहा कि, भारत मे अल्पसंख्यको को बहुत सारे अधिकार मिले हुए है। उन्होंने कहा कि, हम एक ऐसे विषय पर एकत्र हुए हैं जो सिर्फ एक समुदाय का नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का सवाल है। विविधता ही भारत की पहचान है। भारत कोई एक रंग नहीं है; यह सात रंगों का इंद्रधनुष है। समाजसेवी जाहिद निजामी ने कहा कि 1992 में संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों को एक वैश्विक संकल्प के रूप में अपनाया। और भारत ने उस संकल्प को सिर्फ काग़ज़ पर नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा में बसाया— जहाँ अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों की शिक्षा और संस्कृति की रक्षा को अधिकार बनाते हैं, कृपा नहीं। अधिकार मतलब सम्मान, सुरक्षा और बराबरी। इस अवसर पर बोलते हुए मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट के सलीम अब्बासी ने कहा कि, आज की हकीकत लेकिन सच यह भी है कि कई जगह जागरूकता की कमी है सामाजिक संवाद की

ज़रूरत पहले से ज़्यादा बढ़ गई है। यही वजह है कि यह दिवस सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं यह एक चेतावनी, एक संदेश और एक प्रतिबद्धता है कि हम किसी भी नागरिक को पीछे नहीं छोड़ेंगे। हमारी भूमिका सबसे अहम, हम अगर विद्यार्थी हैं, तो जागरूकता फैलाना हमारा दायित्व है। हम अगर शिक्षक हैं, तो समावेशी सोच सिखाना हमारा मिशन है। हम अगर नागरिक हैं, तो न्याय और समानता के लिए खड़े होना हमारा कर्तव्य है। क्योंकि राष्ट्र वह नहीं होता जहाँ कुछ लोग आगे बढ़ें; राष्ट्र वह होता है जहाँ सभी साथ चलें। एएमपी कोटा जोन के इंजिनियर सिराज अंसारी ने कहा कि,आज, 18 दिसंबर को, हम यह संकल्प लें कि समाज में भेदभाव की जगह संवाद होगा, विभाजन की जगह सम्मान होगा, और संदेह की जगह भरोसा होगा। क्योंकि भारत की असली ताकत उसकी विविधता नही बल्कि उस विविधता को अपनाने की उसकी क्षमता है। सामाजिक कार्यकर्त्ता अनवर खान और जावेद खान ने कहा कि, अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर जागरूकता अभियान चलाने की बेहद जरुरत है। YGN स्कूल के संचालक अरशद अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए देश मे सौहार्द पूर्ण माहौल मे एक दूसरे को मिल जुल कर रहने को कहा। सभा का संचालन नूर अहमद पठान ने किया। इस अवसर पर दिल्ली मे कांग्रेस की रैली मे कोटा कैथुन की लापता महिला को तलाश करवाने वाले जाहिद निजामी को माला पहना कर सम्मानित किया गया।

अरावली बचाओ अभियान: छात्र शक्ति बनी पर्यावरण की आवाज़, कलेक्टर को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का सशक्त उदाहरण आज उस समय देखने को मिला जब राजकीय महाविद्यालय बारां के छात्र-छात्राओं ने "अरावली बचाओ" अभियान के अंतर्गत व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों ने हाथों में पोस्टर लेकर अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण, अवैध खनन पर रोक एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। इस अवसर पर छात्रों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर, बारां को ज्ञापन सौंपकर अरावली क्षेत्र में हो रहे पर्यावरणीय क्षरण पर चिंता व्यक्त की तथा तत्काल प्रभाव से ठोस नीतिगत निर्णय एवं सख्त कार्यवाही की मांग की। यह संपूर्ण कार्यक्रम छात्र

संघ महासचिव साजिद हुसैन के नेतृत्व में अनुशासित, शांतिपूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। साजिद हुसैन ने कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला केवल भौगोलिक संरचना नहीं, बल्कि राजस्थान की जलवायु, जल संरक्षण और जैव विविधता की आधारशिला है। यदि आज इसे नहीं बचाया गया तो आने वाली पीढ़ियों को भारी संकट का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। पोस्टर प्रमोशन के माध्यम से छात्रों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि अब युवा केवल दर्शक नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई में सक्रिय भागीदार हैं लवी शर्मा, मनीष मीणा, तेजकरण धाकड़, समीर, सोहित, सचिन, अर्जुन, रौनक, निहाल, आयुष, अंकित, मोहित, जितेश, राजकुमार, रंजीत, पवन, हिमांशु, रघुनादन, देवेंद्र, सुनील आदि मौजूद रहे।

अनिरुद्ध सिंह हाडा जन्मोत्सव समारोह पर शुरू हुई क्रिकेट प्रतियोगिता, प्रतियोगिता का फाइनल आज

बारां (रॉयल पत्रिका)। अनिरूद्ध सिंह हाडा जन्मोत्सव समारोह पर ग्राम माथनी में क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुई। उदघाटन समारोह के अवसर पर माथना बनाम गोपालपुरा के बीच मैच खेला गया, जिसमें 22 रन से गोपालपुरा की टीम विजेता रही। दूसरा मैच माथना बनाम बारां के मध्य खेला गया, जिसमें बारां 28 रनों से जीती। तीसरा मैच माथनी बी और भडसुई के बीच बराबरी पर होने के कारण दोनों टीमों को टॉस के माध्यम से माथनी बी ने जीत दर्ज की। समारोह के मुख्य अतिथि प्रधान पंचायत समिति बारां मोरपाल सुमन, सरपंच पति बृजराज नागर ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण चौधरी व मुरली मीणा का अनिरूद्ध सिंह हाडा स्मृति संस्थान के अध्यक्ष अजीत सिंह माथनी व भरत शर्मा ने माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर मैदान पर फीता काटकर

प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। फाइनल मैच 19 दिसंबर को प्रातः खेला जाएगा। माथनी के अनुसार समापन समारोह दोपहर 1 बजे होगा। जिसके मुख्य अतिथि अनिल अग्रवाल संभागीय आयुक्त कोटा, अध्यक्षता राधेश्याम बैरवा विधायक बारां अटरू, विशिष्ट अतिथि ललित मीणा विधायक किशनगंज, रोहिताश्व सिंह तौमर जिला कलेक्टर एवं नरेश सिकरवार जिलाध्यक्ष भाजपा, आनंद गर्ग, नंदलाल सुमन पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, दिनेश यादव यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुनील गालव अध्यक्ष चंबल सिंचाई परियोजना कोटा, मोरपाल सुमन, प्रधान पंचायत समिति बारां होंगे। संस्थान के प्रवक्ता कुशलपाल प्रजापति के अनुसार स्कूल के छात्र-छात्राओं व आंगनबाडी के बच्चों को गर्म स्वेटर व गरीब लोगों को कंबल एवं क्रिकेट की विजेता को 7100 हजार व उपविजेता टीम को 5100 राशि के साथ व्यक्तिगत पुरस्कार एंव शील्डे अतिथियों द्वारा प्रदान की जाएगी।

नेशनल हाईवे 27 के अवैध कटों पर चला बुलडोजर

-EDAR एक्सीडेंट डेटा के आधार पर अवैध कट बंद, सड़क सुरक्षा को मिली नई मजबूती

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए डॉ. कल्पना शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी (DTO) बारां के नेतृत्व में नेशनल हाईवे–27 पर चिन्हित अवैध कटों को बंद करने की सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई EDAR पोर्टल से प्राप्त सड़क दुर्घटना आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर की गई, जिन स्थानों पर बार-बार दुर्घटनाएं सामने आ रही थीं। संयुक्त जांच एवं कार्रवाई के दौरान नेशनल हाईवे–27 के सभी अवैध कटों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बंद किया गया, जिससे हाईवे पर अनियंत्रित प्रवेश-निकास को रोका जा सके।

बंद किए गए प्रमुख अवैध कट-

अंता बाईपास, नेशनल हाईवे–27 पर अवैध कट, हाईवे रेस्टोरेंट के सामने स्थित अवैध कट, सुसावन बस्ती, बारां से NH–27 को जोड़ने वाला अवैध कट। कार्रवाई के दौरान नेशनल हाईवे–27 पर चल रहे रोड रिपेयरिंग वर्क का भी निरीक्षण किया गया तथा गुणवत्ता व प्रगति की जांच की गई। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नेशनल हाईवे–27 पर नए सोलर ब्लिंकर लगाए गए, जिनकी मौके पर टेस्टिंग भी की गई। कुछ संवेदनशील लोकेशनों पर सोलर ब्लिंकर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि शेष स्थानों पर शीघ्र ही इन्हें लगवाया जाएगा। कार्यवाही के दौरान संयुक्त जांच टीम में डॉ. कल्पना शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी, बारां, हुकुम चंद मीणा अधीक्षण अभियंता, बारां, त्रिदेव सेन, जिला रोलआउट मैनेजर, NIC, मुकेश सिंघवी साइट इंजीनियर, NHAI, प्रदीप सिंह ASI, ट्रैफिक पुलिस मौजूद रहे। प्रशासन का मानना है कि अवैध कटों को बंद करने, सड़क मरम्मत एवं सोलर ब्लिंकर की स्थापना से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और नेशनल हाईवे–27 पर आमजन को सुरक्षित, सुगम एवं नियंत्रित यातायात व्यवस्था मिलेगी।

अरावली की मूल पारिस्थितिक परिभाषा बरकरार रखने की मांग

-मेवाड़ जाट महासभा ने DFO को सौंपा तकनीकी अभिमत

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा संस्थान, भीलवाड़ा द्वारा अरावली पर्वतमाला की संरक्षणात्मक परिभाषा को उसके मूल, व्यापक एवं पारिस्थितिक स्वरूप में यथावत बनाए रखने की मांग को लेकर जिला वन अधिकारी (DFO), भीलवाड़ा को एक विस्तृत तकनीकी अभिमत एवं सुझाव पत्र सौंपा गया। धीरज भदाला ने जानकारी देते हुए बताया कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान की पर्यावरणीय सुरक्षा, भू-जल पुनर्भरण, जलागम क्षेत्रों के संरक्षण एवं जैव विविधता के लिए रीढ़ के समान है। भीलवाड़ा जिला स्वयं अरावली क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां पर्वत, वन क्षेत्र, जलागम एवं स्थानीय पारिस्थितिकी सीधे तौर पर आमजन के जीवन और आजीविका को प्रभावित करती है। यदि अरावली की परिभाषा को

केवल सीमित, राजस्व या ऊंचाई आधारित दृष्टिकोण से संकुचित किया गया, तो इससे अरावली के प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरणीय संरचना को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका है। महासभा ने यह भी उल्लेख किया कि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (FSI), माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा अरावली को एक समग्र भू-आकृतिक एवं पारिस्थितिक पर्वत प्रणाली के रूप में मान्यता दी गई है, जिसमें वन, गैर-वन, चारागाह, राजस्व एवं निजी भूमि पर स्थित पहाड़, रिज एवं जलागम क्षेत्र सम्मिलित हैं। इसी दृष्टिकोण को अपनाते हुए संरक्षणात्मक परिभाषा को बनाए रखना जनहित में आवश्यक है।इस अवसर पर राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा के जिला अध्यक्ष देव बक्श ढाबरढीमा, माधु लाल काला एवं नारायण लाल लामरोड उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक, कुड़गांव थाना अधिकारी रही उपस्थित

हनीस खान कुतकपुर

सपोटरा (रॉयल पत्रिका)। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कुड़गांव क्षेत्र में लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी कुड़गांव थाना अधिकारी मंजू फौजदार ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता आजाद सक्का द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिसमें मुख्य चौराहे पर नुक्कड़ जगह पर बैनर व पोस्टर लगाकर व आपसी समझाइश कर नियमों की जानकारी दी गई जिसमें लोगों को बताया गया कि चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सड़क नियमों का पालन करें किसी भी अनहोनी से बचने के लिए अपने वाहन को सड़क नियमों के आधार पर वाहन

को चलाएं ,सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कुड़गांव क्षेत्र में लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी कुड़गांव थाना अधिकारी मंजू फौजदार ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता आजाद सक्का द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिसमें मुख्य चौराहे पर नुक्कड़ जगह पर बैनर व पोस्टर लगाकर व आपसी समझाइश कर नियमों की जानकारी दी गई जिसमें लोगों को बताया गया कि चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सड़क नियमों का पालन करें किसी भी अनहोनी से बचने के लिए अपने वाहन को सड़क नियमों के आधार पर वाहन को चलाएं।

ग्राम झारिया महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मोटिवेशन शिवर आयोजित हुआ

चुरु (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव झारीया में महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित मोटि वेशन शिविर में मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु ने कहा कि प्यारे बच्चों सबसे पहले विश्वास उसके बाद प्रयास उसके बाद मेहनत और उसके बाद अभ्यास में सफलता का सुत्र है उन्होंने कहा कि अभावों को ताकत बना कर पढ़ना है और कहां कि संस्कृत में कहावत है कि विद्यार्थी कुतम् सुखम और सुखी है तो विद्यार्थी नहीं ये सोचकर पढ़ना है उन्होंने बच्चों को संस्कारित शिक्षा देते हुए टचस्क्रीन स्मार्टफोन से होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी दी। प्रातः जल्दी उठकर

तीन घंटे सुबह घर पर पढ़कर आने का स्वैच्छिक संकल्प दीलाया। बच्चों को अंकुरित अनाज को भोजन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्राचार्य शिवराज सिंह चारण ने की। उन्होंने बच्चों से कहा कि दुर दृष्टि पक्का इरादा कड़ी मेहनत अनुशासन से पढ़ना है। कार्यक्रम में हरीराम मोठसरा, चिरंजीलाल शर्मा, शब्दानंन्द चौधरी, संदीप कुमार ने सहभागिता दी।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ. अनीश कुमार को बीएचयू से गोल्ड मेडल

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी से एम.एस. (जनरल सर्जरी) में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए डॉ. अनीश कुमार को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित उपलब्धि उन्हें उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर समर्पण के लिए प्रदान की गई। वर्तमान में डॉ. अनीश कुमार गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर में जनरल सर्जरी विभाग में सीनियर रेज़िडेंट के रूप में कार्यरत हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि उनके गुरुजनों, सहकर्मियों और पूरे चिकित्सा समुदाय में हर्ष का माहौल है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर परिवारजनों, शिक्षकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने डॉ. अनीश कुमार को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल चिकित्सा करियर की कामना की। डॉ. अनीश कुमार की यह उपलब्धि गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा परंपरा को भी दर्शाती है।

पेंशनर दिवस पर पेंशनर समाज के महान योद्धा डी के नकारा को याद किया गया

मारवाड़ जंक्शन (रॉयल पत्रिका)। पेंशनर दिवस पर उम्मेद वाटिका आउवा रोड़ पर पेंशनर समाज उपशाखा मारवाड़ जंक्शन की बैठक वरिष्ठ पेंशनर प्रिंसिपल हाज़ी मोहम्मद इब्राहिम मुसानी की अध्यक्षता प्रारम्भ हुई जिसमें पेंशनर दिवस के उपलक्ष में पेंशनर समाज के महान योद्धा, त्याग, संघर्ष के धनी डी के नकारा पर व्याख्यान पेश करते हुए मोहम्मद खान पठान ने बताया कि यह दिन एक तारीख ही नहीं बल्कि हमारे सम्मान व संघर्ष का प्रतीक भी हैं। आज हमें यह पेंशन एक अधिकार के रूप में मिल रही हैं तो इसके पीछे एक महान योद्धा डी के नकारा का संघर्ष छिपा हैं, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ी जिस पर न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि पेंशनर के जीवन भर की ईमानदार सेवा का प्रतिफल हैं,।भंवर सिंह चम्पावत ने कहा कि आज राजस्थान सहित पूरे भारत के पेंशनर्स जिस सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जी रहे हैं उनकी नींव डी के नकारा के त्याग और संघर्ष से पड़ी हैं, हरिसिंह गुर्जर ने कहा कि हमारा दायित्व हैं कि हम उनके संघर्ष को याद रखें। श्री किशन ओझा ने कहा कि नकारा साहब कहा करते थे कि पेंशनर सेवा निवृत जरूर होता हैं पर उसका सम्मान सेवानिवृत नहीं होना चाहिए।बैठक को धीराराम मीणा, राधेश्याम शर्मा, बंशी लाल गर्ग भूराराम गुर्जर आदि ने सम्बोधित और संचालन प्रेम प्रकाश शर्मा ने किया। पेंशनरों की अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की गयी तथा आइंदा मीटिंग पेंशनर भवन तहसील कार्यालय परिसर में रखी जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में नेमीचंन्द शर्मा, प्रकाश चंद उनेचा, सोहन लाल सेन हरीराम वर्मा आदि अनेक सदस्य उपस्थित हुए।

मामू कॉलोनी के हाल बेहाल सड़कों पर फैली गंदगी एवं कीचड़

महुआ (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय महुआ के मामू कॉलोनी के हाल बेहाल हैं। यहां नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के चलते मोहल्ले में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। हम रास्ते गंदगी में कीचड़ से सटे पड़े हैं, लेकिन इसके बाद भी सुनने वाला कोई नहीं है जहां कॉलोनी वासियों का कहना है कि नगर पालिका को कई बार ज्ञापन दे चुके हैं, मगर कोई सुनने वाला नहीं। कॉलोनी के क्षतिग्रस्त पड़े नाले में सड़क को सही करवाने की मांग की है स्थानीय लोगों ने बताया कि मम्मू कॉलोनी और शिव कॉलोनी की आम सड़क व नाला दोनों ही पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। शमशेर के मकान के पास बना नाला तो पूर्ण रूप से टूट चुका है जिससे यहां आमजन निकालने में परेशानी आ रही है। साथ ही नगर पालिका की और से घर-घर कचरा संग्रहण की आने वाली गाड़ी भी यहां तक नहीं पहुंच पा रही है। वह नाला गंदगी से भरा पड़ा है ऐसे में नर में जमा गंदगी व आम रास्ते में फैल रहा है। इससे जहां जहरीले कीड़े मकोड़े व बदबू से लोगों के बीमार होने की आशंका बनी हुई है।

भाजपा जिला संगठन प्रभारी संजय नरुका का सवाई माधोपुर दौरा

-एसआईआर अभियान को लेकर की समीक्षा बैठक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर के नवनियुक्त जिला संगठन प्रभारी, अलवर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व नगर सभापति संजय नरूका आज पहली बार सवाई माधोपुर पहुंचे, जिनका जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला संगठन प्रभारी ने भाजपा कार्यालय पर जिला एवं मंडल पदाधिकारियों की बैठक लेकर एसआईआर अभियान एवं राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण पर प्रत्येक विधानसभा में चलाए जा रहे प्रगति रथ के सफल क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, लालचंद गौतम, मीरा सैनी, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, गीता सैनी, शहर मंडल अध्यक्ष कपिल जैन, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा, कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, कार्यालय प्रभारी मुकेश शर्मा, मंडल प्रवक्ता ओमप्रकाश शर्मा आदि भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस की बैठक जिला अध्यक्ष विधायक मनोज मेघवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई

-कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से कई मुद्दों पर चर्चा हुई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस पर, चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक सुजानगढ़ मनोज मेघवाल ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार योजना का नाम केंद्र सरकार द्वारा बदलने के विरोध में 21दिसम्बर को जिला कांग्रेस कमेटी का धरना व विरोध प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए कहा मोदी सरकार ने मनरेगा योजना का नया नाम जिस तरह बदला है, वह हास्यास्पद होने के साथ हमारी आस्था का अपमान है। अगर पुरानी सरकार की योजना का नाम बदलना ही था, तो इसे मनरेगा 2 या ग्रामीण रोजगार योजना भी कहा जा सकता था। सरकार केवल नाम की माला जप रही है, जबकि असली खेल फंडिंग की कटौती है। इस सरकार ने पहले मनरेगा का बजट कम किया और अब फंडिंग का बोझ राज्यों पर लाद दिया। हमारी यू पी ए सरकार ने मनरेगा के तहत रोजगार की गारंटी दी थी, जबकि यह सरकार सिर्फ मोदी की गारंटी देती रही है, जो कभी पूरी नहीं हुई।हम सरकार से मांग करते है कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था का विषय हैं, उन्हें अपनी ब्रांडिंग का हिस्सा ना बनाएं। नाम बदलने से नीयत नहीं बदलती। अगर सरकार को सच में रामराज्य लाना है तो वह गरीब की थाली और राज्यों की खजाने की चिंता करे। जिलाध्यक्ष मनोज मेघवाल ने चूरू जिले के सांसद, विधायक, नगर परिषद व नगर पालिका अध्यक्ष जनप्रतिनिधि और कांग्रेस के पदाधिकारी 21दिसंबर रविवार को दोपहर 12,बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय अपनी योजना के आगे विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर केंद्र और राज्य की तानाशाही सरकार के खिलाफ़ आवाज उठाकर आमजन को इनकी कारी गुजरियो से अवगत करवाय। बैठक मे शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर देहात ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किशोर धांधू, किसान नेता आदुराम न्यौल, इदरीश गौरी, विद्याधर बेनिवाल, प्रदीप तोदी, बजरंग सैन, नारायण बालान, संजय भाटी, अज़ीज़ खान, आबिद जाबासरिया, तौफीक खान, सद्दाम हुसैन, डॉ. प्यारेलाल दानोदिया, रामप्रताप कांटीवाल, विद्याधर मेघालय, सोहनलाल मेघवाल, जयचन्द मेघवाल, नोमान सैय्यद, शेरखान मलकान, इस्माईल भाटी ज्योति सिंह, विनोद खटीक, सोयल खान डीके, शिवकुमार शर्मा, विमल शर्मा, सलीम पिए, काज़ी अब्बास अजहरुद्दीन, भादर मेघालय, सहित पार्टी के अन्य संगठन पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया।

हज खिदमतगार कांन्फ्रेंस में शिरकत करने वाले मेहमानों का किया इस्तकबाल

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के अध्यक्ष हाजी सय्यद आरीफ अली ने बताया कि आल इंडिया हज खिदमतगार कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने आए मेहमानों का जोधपुर दरबार होटल शास्त्री सर्कल जोधपुर में आयें मुख्य अतिथि जनाब इंतखाब आलम उर्फ पप्पन ख़ान व दानिश फौजदार ने सभी को अवार्ड व शिल्ड देकर सम्मान किया गया आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर के उपाध्यक्ष मसरूर खान ने बताया कि राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी जनाब शेख हाजी निजामुद्दीन साहब कों फर्क मिल्लत अवार्ड वसीम अहमद, निजामुद्दीन मोहाना को निशाने यादगार अवार्ड दिया गया, हाजी अकीब,राशिद अहमद,सलीम महाजन, हाफिज साकिब,शान तकवी, लईक अहमद अंसारी कों निशाने-याद गार अवार्ड दिया, यासीन भाई, अब्दुल वहाब,अनवर जहां, तबस्सुम अंसारी को निशाने यादगार अवार्ड दिया। आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के वरिष्ठ सदस्य हाजी मोहम्मद यूनुस नागौरी ने बताया कि सोसायटी में आयें मुख्य अतिथि जनाब दानिश फौजदार ने मेहमानों को शिल्ड व निशाने यादगार अवार्ड से सम्मान किया। आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के वरिष्ठ सदस्य गुलाम सफदर ने बताया कि मोहम्मद रियाज, शफीक खान को निशाने यादगार अवार्ड से सम्मानित किया। आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के फिटनेस डारेक्टर नौशाद अंसारी कहा कि नये साल से हज फिटनेस कि टैनिंग श्रिशि जीम में चालु कि जाए गी आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल मन्नान ने बताया कि जयपुर कोटा बारां से आयें सभी मेहमानों इस्लामिक शिल्ड से सम्मानित किया,आरिफुदीन, अब्दुल हमीद आरीफ कुरैशी कों आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई आयें मुख्य अतिथि हाजी इंतखाब आलम खान उर्फ पप्पन ख़ान जी ने खिदमतगारो कों निशाने- यादगार अवार्ड व फक्र मिल्लत अवार्ड से नवाजा पदाधिकारियों, सदस्यो कार्य कर्ता एवं राजस्थान के तमाम शहरों से आए हज खिदमतगारो और आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी दिल्ली से आयें पद अधिकारी व हज ट्रेनर जनाब हाजी मोहम्मद असलम, हाजी नसीमुद्दीन, हाजी फैयाजुददीन, हाजी इरफ़ान, हाजी शफीकुरहमान को निशाने यादगार, मशरूर ख़ान व हाजी मोहम्मद यूनुस नागौरी ने निशाने यादगार अवार्ड से सम्मानित किया, सम्मान समारोह में आयें मुख्य अतिथि जनाब इंतखाब आलम उर्फ पप्पन ख़ान ने सभी मेहमानों का शिरकत के लिए शुक्रिया अदा किया सोसायटी में आयें मुख्य अतिथि जनाब दानिश फौजदार ने कहा कि आप सब खिदमत दुनिया कि सबसे महत्वपूर्ण खिदमत है सम्मान समारोह में आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के आमीर अंसारी, फैयाज अली, सय्यद ज़ुबैर अली, शिरकत ने की।

युवा कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर के बंद को लेकर अधीक्षण अभियंता का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया वापस

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज युवा कांग्रेस चूरू द्वारा स्मार्ट मीटर के बंद को लेकर अधीक्षक अभियंता JDV-VNL चूरू का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। अधीक्षक अभियंता द्वारा राजस्थान सरकार के आदेश को ना मानने पर कार्यकर्ताओं ने आदेश की प्रति जलाकर विरोध किया। जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर को लेकर आदेश में संशोधन किया गया परन्तु उसके बाद भी विद्त विभाग जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही है। नए विद्त कनेक्शन में उपभोक्ता को अपनी मर्जी से मीटर ना देकर स्मार्ट मीटर के लिए बाध्य किया जा रहा है जो कि नियमो के खिलाफ हैं।आगामी दिनों में युवा कांग्रेस इसको लेकर बड़ा आंदोलन करेगी। इस दौरान NSUI जिलाध्यक्ष नरपत रोलण, जिलाध्यक्ष मौसिम खान,प्रदेश सचिव हेमंत सैनी,प्रदेश सचिव अनीश खान,आमीन खान ए एस एम, शब्बीर खान,अमन दाधिच, सुरेंद्र मेघवाल सहित सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम सेहनाली बड़ी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्वेटर वितरण किए गए

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सहनाली बड़ी में इंसानियत एकता सेवा समिति के तत्वावधान में रिटायर्ड थानेदार हाजी जोरावर खान के सौजन्य से 80 विद्यार्थियों को तथा विद्यालय स्टॉफ सदस्यों मुबारक खान, रामचंद्र मेघवाल, जीतू सिंह चारण, जयप्रकाश एंव सुरेश कुमार द्वारा 57 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की गईं। स्वेटर वितरण का यह नेक कार्य अध्यापक मुबारक खान की प्रेरणा से किया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इंसान अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। शिक्षा ही एक ऐसी चीज है जिसका कभी बंटवारा नहीं हो सकता। मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने बताया कि इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा पिछले पांच वर्षों से सामाजिक सरोकार में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान विद्यालय स्टॉफ में दुर्गा जी, बबिता जी, सरिता जी, कविता जी, कृष्णा जी, सुलोचना जी और इंसानियत एकता सेवा समिति के व्यवस्थापक जाफर खान आदि मौजूद रहे। संचालन नीरू ने किया। प्रधानाध्यापक रामचंद्र मेघवाल ने समिति का आभार व्यक्त किया।

महावीर सुकरलाई के जन्मदिन व रोहट प्रधान सुनिता कंवर के सफलतम पांच वर्ष के अवसर पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

पाली (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस नेता महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई के जन्मदिन एवं रोहट (पाली) प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित के पांच वर्ष के सफल कार्यकाल पर पाली के काका गॉर्डन में आयोजित रक्तदान शिविर एवं स्नेह मिलन समारोह में सैकड़ों लोगों का हुजूम उमड़ा, इस दौरान 114 यूनिट रक्तदान हुआ। कांग्रेस नेता महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई के जन्मदिन व रोहट पूर्व प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित के पांच वर्ष के सफल कार्यकाल पर आयोजित इस कार्यक्रम में काँग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतागण, जनप्रतिनिधिगण विभिन्न सामाजिक संगठनों से प्रबुद्धजन सहित जिले भर से आये सेंकड़ो लोगो ने बधाई दी। इससे पहले सुकरलाई के निवास पर भी बधाई देने वाले लोगो का तांता लगा रहा। रक्तदान शिविर स्थल पर सुबह से शाम तक लोगो का आना जारी रहा युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया वहीं कई महिलाओं ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई ने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं के निराकरण के लिये सतत रूप से प्रयास किया हैं और आगे भी इसी तरह से सकारात्मक काम करते रहेंगे। रोहट पूर्व प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित ने कहाँ कि पंचायत समिति में पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में विकास के नए आयाम स्थापित हुए। कोरोना व लम्पी में जनता के साथ खड़े रहे, जम्बूरी का आयोजन, प्रशासन गाँवो के संग अभियान, राजीव गाँधी ग्रामीण ओलम्पिक हो, सभी कार्यक्रम में पूर्ण भागीदारी निभाई। वहीं गांव ढाणियों में सी सी ब्लॉक सड़क निर्माण, सीवरेज लाइन, चारदीवारी, यात्री प्रतिक्षालय, स्कूलों में कक्षा कक्ष, खेल मैदान सहित कई क्षेत्रों में करोड़ो रुपये के विकास कार्य करवाये। कांग्रेस नेता सुकरलाई ने जन्मदिवस के अवसर पर मिले अपार स्नेह पर आभार जताते हुये कहा की आपका प्यार दुगने जोश से जनहित के कार्य करने की ताकत देता है। यह जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस महासचिव आमीन अली रंगरेज़ ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवाओं एवं महिलाओं ने 114 यूनिट रक्तदान किया एवं बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान लोकसभा चुनाव प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री संगीता बैनीवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला, राजस्थान गो सेवा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष सुमेरसिंह राजपुरोहित, प्रदेश कांग्रेस सदस्य शोभा सोलंकी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जीवराज बोराणा, गिरधारीसिंह राजपुरोहित, संतोखसिंह बाजवा, अरुण जोशी, सज्जन बी राज, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव भंवर राव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश सांखला, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव नीलम बिड़ला, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोवर्धन देवासी, यशपालसिंह कुंपावत, राजेन्द्रसिंह कुंपावत, मेवाराम ओड, जीवराज चौहान, बाली ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह राजपुरोहित, सुमेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष नेपाल सिंह पावा, देसूरी ब्लॉक अध्यक्ष राकेश चौहान, पूर्व प्रत्याशी जस्साराम राठौड़, सिवाना के पूर्व प्रधान मुकनसिंह राजपुरोहित, लूणी प्रधान प्रतिनिधि हनुमानसिंह खाराबेरा, पूर्व उप प्रधान कानाराम पटेल, हज कमेटी के पूर्व चेयरमैन मोहम्मद हारून छिपा, जिला लोक अभियोजक सुमेरसिंह राजपुरोहित, पूर्व लोक अभियोजक एडवोकेट चन्द्रभानु राजपुरोहित,प्रकाश मेघवाल, महासचिव कालू विश्नोई, माणकलाल गर्ग, आमीन अली रंगरेज, एस सी विभाग जिलाध्यक्ष सुनील बैरवा, कांग्रेस ओबीसी विभाग अध्यक्ष गोविंद बंजारा, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष सत्यप्रकाश कुमावत, पूर्व नगर अध्यक्ष इलियास चढ़वा, छोटूसिंह राजपुरोहित, जिला कांग्रेस सचिव आसिफ भाटी, शहजाद शेख, दिलीपसिंह रावलवास, मोहनसिंह हेमावास, वागराम बिश्नोई, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष शकील अहमद नागौरी, राजू सोलंकी, रघुनाथसिंह मंडली, चेलाराम रारबड़ा, प्रकाश सोनी, अशोक गौड, राम राजपुरोहित, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मणराम पटेल, प्रशासक अमराराम बेनीवाल, ललित शर्मा निम्बली, जगमालराम मेघवाल खांडी, पूर्व पार्षद मोनु मेघवाल, जयसिंह राजपुरोहित, राजेंद्र मेघवाल, रिखब मरलेचा, आमीन छिपा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील रामावत, निमेश चांवरिया, अशोक वाल्मीकि, युवा विधानसभा अध्यक्ष कृष्णा सांसी, फालना नगर अध्यक्ष हैप्पी मेवाड़ा, नगर निगम के पूर्व उप महापौर ललित प्रीतमानी, किशोर सोमनानी, कांतिलाल वैष्णव, लूणसिंह पुनायता, धनराज लोहार, इंटक विद्त निगम जिलाध्यक्ष राजेश मेवाड़ा, इंटक नगर परिषद अध्यक्ष अर्जुन चौहान, सुरेश सत्यानी, भेराराम कलाल, पुष्पराज सोनी, चंद्रपालसिंह पुनायता, असगर कुरैशी, अभाव अभियोग जिलाध्यक्ष अशोक कुलदीप, अभाव अभियोग प्रदेश सचिव राजाराम सरगरा, अल्पसंख्यक पूर्व जिलाध्यक्ष लाल मोहम्मद सिंधी, विनोद मोदी, कानाराम सिणगारी, हाजी महबूब अली, हाजी मोइनुद्दीन, मोहसीन डायर, जावेद जिलानी, फारूक रंगीला, इक़बाल शेख, ललित बामणिया, गुलाब सोढा, नजीर खान सिंधी, निजाम सोढा, आरिफ पिंजारा, आबिद कुरैशी, निमेश चंवरिया, बाबूसिंह वायद, कुंदनसिंह राजपुरोहित, जुगलकिशोर राजपुरोहित, एडवोकेट विक्रमसिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विकास राजपुरोहित, संदीपसिंह राजपुरोहित, मालमसिंह राजपुरोहित, शैतानसिंह राजपुरोहित, तरुण रावल, नेमाराम बजाड़, पूरनसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मण कछवाहा, साबीर जोया, मदरसा बोर्ड पाली के पूर्व चेयरमैन इमरान खिलजी, वक्फ बोर्ड पाली जिला चेयरमैन सलीम एम डी, हाजी अहमद भाटी, कमरुद्दीन पठान, बाबू भाई मोयल, रमजान भाटी, जाहिद गोरी, दलीचंद तोशावरा, जयकिशन ढाका, नरपतसिंह जैतपुर, रणवीर सिंह राजपुरोहित, तौफीक रंगरेज, विप्र फाउंडेशन जिलाध्यक्ष प्रमोद दवे, आशीष तिवाड़ी, विप्र सेना जिलाध्यक्ष अमित शर्मा, सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सैकड़ो कार्यकर्ताओं के अलावा टीम महावीरसिंह सुकरलाई, विप्र सेना, इंटक विद्त कर्मचारी संगठन, टेक्सी यूनियन, पाली जिला टेंट एसोसिएशन, मिल मजदूर इंटक, टिम आर आर सहित विभिन्न समाज के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न समाजिक संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने सुकरलाई को जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर, मिठाई खिलाकर, माला एव साफा पहनाकर बधाई हुए दीर्घायु होने की कामना दी।

सुकरलाई के प्रति दिखा जबरदस्त उत्साह-

लम्बे समय बाद जिला मुख्यालय पर कांग्रेसजनों के साथ युवाओं की भारी भीड़ देखी गई। काँग्रेस नेता महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पाली-रोहट के साथ जिले भर से सैकड़ों लोग रक्तदान शिविर में पहुंचे। युवाओं मे सुकरलाई के प्रति जबरदस्त क्रेज़ देखा गया। रोहट की पूर्व प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित के पांच वर्ष वर्ष के सफल कार्यकाल एवं कांग्रेस नेता महावीरसिंह सुकरलाई के जन्मदिवस पर दर्जनो केक काटे गए एवं आतिशबाजी की गई। वंही विभिन्न गांवों व शहर के अलग अलग वार्डो से अपने अपने समूहों में आने वाले लोग जोश खरोश के साथ शिविर स्थल पर पहुंचे।

एलआईसी द्वारा लोकसभा में बीमा कानून संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर एल आईं सी में भोजनावकाश के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा लोकसभा में बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025 प्रस्तुत किए जाने के विरोध में संयुक्त मोर्चे के आहवान पर कर्मचारियों, विकास अधिकारियों व प्रथम श्रेणी अधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी की गई।इस अवसर पर शाखा सचिव कॉम० मोहन सिंह ने बताया कि सरकार का यह कदम बीमा क्षेत्र में गंभीर अस्थिरता पैदा करने वाला है। जबकि पूर्व में 50 से 74% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने पर मात्र चार कम्पनियों ने ही इसका उपयोग किया है। ऐसे में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर यह भ्रामक प्रचार है कि इससे सरकारी कोष में बढ़ोतरी होगी। जबकि इससे घरेलू बचत का विदेश जाने की अधिकतम संभावनाएं बनेगी तथा समाज के निचले मध्यम वर्ग तथा हाशिया पर खड़े वर्गों की पूर्णता उपेक्षा होगी। इस अवसर पर महेन्द्र शर्मा व अनिल जांगीड़ ने सभा को संबोधित पर कर्मचारियों को इसका पूर्ण विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

किसान संगठनों व प्रशासन की वार्ता, एथेनॉल प्लांट पर 5 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के बीच बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वार्ता हुई। वार्ता के दौरान बनी सहमति के अनुसार संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन प्राप्त होने के पश्चात जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने स्थानीय जनभावनाओं एवं समस्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लोकहित में समुचित निर्णय के लिए राज्य सरकार को ज्ञापन सहित पत्र प्रेषित किया। वार्ता में उपस्थित आयोजना शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है और किसान हितों की रक्षा उसकी प्राथमिकता है। एडीजी पुलिस बिजु जॉर्ज जोसफ ने किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। इथेनॉल प्लांट से होने वाले संभावित भू-जल दोहन एवं पर्यावरणीय प्रदूषण की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को 5 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि 12 दिसम्बर को संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक के बाद उच्च स्तरीय समिति गठित करने पर सहमति बनी थी। बैठक में संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, आईजी पुलिस हेमंत शर्मा, पूर्व हनुमानगढ़ जिला कलेक्टर (आईएएस) काना राम, एसपी हरी शंकर, जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, एडीएम उम्मेदी लाल मीना सहित संयुक्त किसान मोर्चा एवं संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंगेज चौधरी, रेशम सिंह, मदन दुगेसर, रवि जोसन, नितिन ढाका, जगजीत जग्गी, बलजिंद्र सिंह, मनदीप मान, मान सिंह राठौड़, रघुवीर वर्मा, शेर सिंह शाक्य, रविन्द्र सिंह, काका सिंह, गगनदीप, संदीप कंग और सुभाष मक्कासर उपस्थित रहे।

गिट्स एवं फ्यूज़न बिज़नेस सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्निकल स्टडीज डबोक उदयपुर एवं प्रमुख एमएनसी कंपनी फ्यूज़न बिज़नेस सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार हुआ. यह करार में गीतांजलि ग्रुप की निदेशक मिस कनिका अग्रवाल एवं फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ एवं संस्थापक मिस श्वेता दुबे के मध्य आवश्यक दस्तावेजों के आदान–प्रदान के माध्यम से संपन्न हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. एस एम प्रसन्ना कुमार ने बताया कि इस करार के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, एक्सपर्ट टॉक एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं विकास केंद्रों की स्थापना कर छात्रों और शिक्षकों को नवीन तकनीकों एवं व्यावसायिक कौशल से सुसज्जित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नवाचार उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन से संबंधित गतिविधियों में भी दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट हेड डॉ अरविन्द सिंह पेमावत ने इस समझौते को गिट्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा साथ ही विद्यार्थी इंडस्ट्रियल वातावरण से रूबरू होंगे। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक बी एल जागिंड ने कहा कि इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच की दूरी को कम करना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, और यह साझेदारी उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। इस कार्यक्रम में फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट श्री शक्ति सिंह शेखावत एवं कुलदीप भटनागर सहित दोनों ग्रुपस के प्रमुख मेंबर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शैलजा राणावत द्वारा किया गया।

समस्या समाधान शिविरों में आमजन को मौके पर मिला लाभ

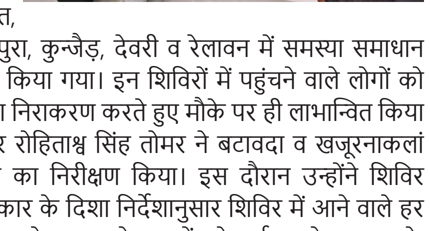

बारां (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान राज्य सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के तहत गुरूवार को बटावदा, खजूरनाकलां, बोहत, कड़ैयानोहर, मोखमपुरा, कुन्जैड़, देवरी व रेलावन में समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में पहुंचने वाले लोगों को उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए मौके पर ही लाभान्वित किया गया। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बटावदा व खजूरनाकलां में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर प्रभारी को राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार शिविर में आने वाले हर व्यक्ति की सुनवाई करते हुए उनके कामों को पूर्ण करने तथा इसके लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकाधिक लोगों को शिविर में लाभान्वित किया जाए जिससे उन्हें तहसील या जिला मुख्यालय जाकर काम करवाने से राहत मिल सके। इस दौरान उन्होंने शिविर के सभी काउंटरों पर पहुंचकर आवेदनों तथा उनमें प्रगति के बारे में जानकारी तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शिविर में उन्होंने लाभार्थियों को पट्टा वितरण भी किया। शुक्रवार को कोयला, पलायता, रायथल, निपानिया, टांचा, सकतपुर, केलवाड़ा, गरड़ा में शिविर आयोजित होंगे।

मानुषी छिल्लर

ने साझा किया स्किनकेयर रूटीन

शहद के फेस मास्क से आया चेहरे पर ग्लो

सोशल मीडिया पर स्किनकेयर और फिटनेस से जुड़ी जानकारियों की भरमार है। ऐसे में किस पर यकीन करें और किस पर नहीं, इस बात को लेकर लोगों में दुविधा बनी रहती है। वे ज्यादातर सेलिब्रेटीज की रूटीन को फॉलो करना सही समझते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने अपने यूट्यूब चैनल पर स्किनकेयर रूटीन साझा किया, जो न सिर्फ आसान है, बल्कि आयुर्वेद और विज्ञान दोनों के नजरिए से खरे भी उतरते हैं। वीडियो की शुरुआत में मानुषी थोड़ी झिझकती हुई नजर आती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे कभी स्टेज पर बोलने से डर नहीं लगा, लेकिन इस तरह का वीडियो बनाना मेरे लिए नया और थोड़ा घबराहट भरा है। ' इसके बाद वह अपनी सुबह की शुरुआत के बारे में बताती हैं। मानुषी कहती हैं कि वह सुबह चेहरे पर किसी भी तरह का फेसवॉश इस्तेमाल नहीं करतीं, बल्कि सिर्फ सादे पानी से चेहरा धोती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, जिन लोगों की त्वचा रूखी होती है, उनके लिए बार-बार केमिकल युक्त क्लींजर का इस्तेमाल त्वचा की प्राकृतिक नमी को और कम कर सकता है। विज्ञान भी मानता है कि जरूरत से ज्यादा क्लींजर त्वचा के नेचुरल ऑयल को नुकसान पहुंचा सकता है। स्किनकेयर को लेकर मानुषी बताती हैं कि चेहरा धोने के बाद तौलिया से रगड़ने की बजाय हल्के हाथ से थपथपा कर सुखाना चाहिए। विज्ञान के तौर पर, यह तरीका त्वचा पर माइक्रो डैमेज को कम करता है। इसके साथ ही वह चेहरे पर ग्लो पाने के लिए शहद का फेस मास्क लगाती हैं।

वरुण धवन ने कहा 'दिलजीत दोसांझ ने फिल्म के लिए खून-पसीना बहाया'

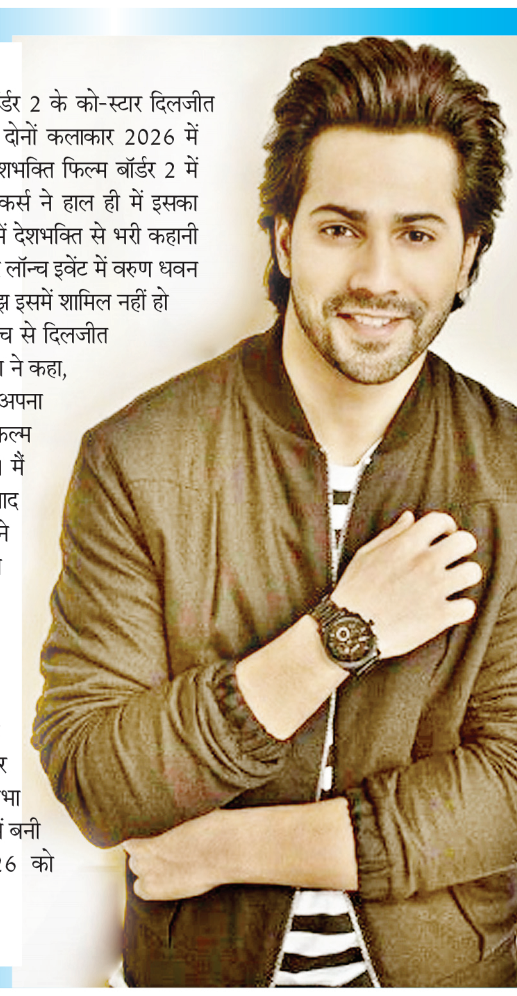

वरुण धवन ने अपनी फिल्म बॉर्डर 2 के को-स्टार दिलजीत दोसांझ की जमकर तारीफ की। दोनों कलाकार 2026 में रिलीज़ होने वाली बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म बॉर्डर 2 में साथ नज़र आएंगे। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसका दमदार टीज़र लॉन्च किया, जिसमें देशभक्ति से भरी कहानी की झलक देखने को मिली। टीज़र लॉन्च इवेंट में वरुण धवन मौजूद थे, जबकि दिलजीत दोसांझ इसमें शामिल नहीं हो सके। इसके बावजूद वरुण ने मंच से दिलजीत की मेहनत की सराहना की। वरुण ने कहा, 'उन्होंने भी इस फिल्म के लिए अपना खून-पसीना बहाया है। वह इस फिल्म में PVC का किरदार निभा रहे हैं। मैं उनकी तरफ से भी सभी का धन्यवाद करता हूं। 'इस दौरान दर्शकों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। बॉर्डर 2 के टीज़र में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी देश की रक्षा के लिए लड़ते हुए नज़र आते हैं। वरुण, दिलजीत और अहान क्रमशः आर्मी, नेवी और एयर फोर्स ऑफिसर्स की भूमिका निभा रहे हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

शिल्पा शेट्टी के बास्टियन दादर पर IT का छापा, इनकम टैक्स विभाग ने की तलाशी

इनकम टैक्स विभाग ने बुधवार को मुंबई के दादर इलाके में शिल्पा शेट्टी के बास्टियन रेस्टोरेंट पर छापा मारा। बुधवार सुबह रेस्टोरेंट में तलाशी अभियान चलाया गया और फिलहाल अधिक जानकारी का इंतजार है। बास्टिन के मालिक शिल्पा शेट्टी और रेस्टोरेंट बिजेनेसमैन रंजीत बिंद्रा हैं। साल 2016 में शुरू हुई ये रेस्तरां चैन सी-फूड्स के लिए पॉपुलर है। दिलचस्प बात यह है कि एक दिन पहले ही बेंगलुरु पुलिस ने भी बास्टियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। आरोप है कि शिल्पा शेट्टी के स्वामित्व वाले इस रेस्टोरेंट में तय समय के बाद भी संचालन किया गया और देर रात पार्टी की अनुमति दी गई, जो नियमों का उल्लंघन है। यह मामला कर्नाटक पुलिस एक्ट की धारा 103 के तहत स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किया गया।

जॉन अब्राहम

फिल्में फ्लॉप फिर भी यूथ आइकॉन

बॉलीवुड के फिटनेस आइकॉन जॉन अब्राहम एमबीए की पढ़ाई करने वाले जॉन की पहली नौकरी महज 6500 रुपए की थी। उन्होंने एक मीडिया प्लानर के तौर पर काम करना शुरू किया, लेकिन उनका लुक और स्टाइल देखकर उनके बॉस ने खुद उनसे मॉडलिंग करने के लिए कहा। मॉडलिंग में जॉन को इंटरनेशनल पहचान तो मिली, लेकिन भारत में नाम बनाने के लिए उन्होंने देश लौटने का फैसला किया। इसी दौरान उन्हें करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' ऑफर हुई, लेकिन जॉन ने फिल्म करने से इनकार कर दिया। फिर फिल्म जिस्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया और धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा के एक्शन हीरो बन गए। भले ही जॉन अब्राहम की कई फिल्में फ्लॉप रही हों, लेकिन वे आज भी युवाओं के पसंदीदा स्टार हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल उन्हें खास बनाती है। इसी वजह से युवा आज भी उन्हें फॉलो करते हैं।

जहां आम लोग नहीं पहुंच पाते वहां हमने की शूटिंग

अमृता खानविलकर

भारतीय ओटीटी इंडस्ट्री लगातार नए और दमदार कंटेंट के साथ दर्शकों को आकर्षित कर रही है। बड़े फिल्ममेकर्स अब वेब सीरीज के जरिए ऐसी कहानियां लेकर आ रहे हैं, जो पहले कभी पर्दे पर देखने को नहीं मिलीं। इसी कड़ी में मशहूर निर्देशक और निर्माता नीरज पांडे 'तस्करी' नामक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और लोकप्रिय अभिनेत्री अमृता खानविलकर अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अमृता खानविलकर ने इस वेब सीरीज को लेकर अपनी खुशी और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 'नीरज पांडे जैसे निर्देशक के साथ काम करना हमेशा खास होता है, क्योंकि उनकी कहानियां वास्तविक और जमीन से जुड़ी होती हैं। 'तस्करी' की शूटिंग का अनुभव बेहद रोमांचक रहा, और इस सीरीज पर काम करते हुए मैंने हर पल कुछ नया सीखा। यह मेरे लिए एक यादगार अनुभव बन गया। ' अमृता ने कहा, 'सीरीज में किसी भी तरह के बनावटी सेट का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि वास्तविक जगहों पर शूटिंग हुई है ताकि कहानी ज्यादा सच्ची और प्रभावशाली लगे। शूटिंग के दौरान हमें ऐसी जगहों पर जाने का मौका मिला, जो आम लोगों के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।' अभिनेत्री ने कहा, 'एयरपोर्ट के भीतर के ऐसे हिस्सों में शूटिंग की गई, जहां आम यात्रियों की पहुंच नहीं होती। इसमें एयरपोर्ट के एयरपैड्स और अन्य प्रतिबंधित जोन शामिल थे। इन जगहों पर शूट करना आसान नहीं था। लेकिन, इससे सीरीज की प्रामाणिकता और भी बढ़ गई है। यह अनुभव मेरे करियर के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया।' इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर भी अमृता ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'इमरान हाशमी एक बेहद सरल और विनम्र इंसान हैं। उनके साथ काम करना पेशेवर रूप से अच्छा तो था ही, व्यक्तिगत तौर पर भी काफी सहज और आनंददायक अनुभव रहा।'

ऑस्कर की अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी में छांटी गई फिल्मों में होमबाउंड शामिल

फिल्म निर्देशक नीरज घेवान की बहुचर्चित फिल्म होमबाउंड को ऑस्कर के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में छांटी गई फिल्मों में जगह मिली है। इस श्रेणी में कुल 15 फिल्मों को छांटा गया है जिनमें से पांच को ऑस्कर के लिए नामित अंतिम सूची में जगह मिलेगी। दो ग्रामीण दोस्तों और उनकी आकांक्षाओं पर आधारित इस फिल्म का मई में कान फिल्म महोत्सव के अन सर्टेन रिगार्ड खंड में प्रीमियर हुआ था। फिल्म के निर्माता करण जौहर ने कहा कि वह होमबाउंड की अब तक की यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित हैं। सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार के नामांकन के लिए होमबाउंड का मुकाबला अर्जेंटीना की बेलेन , ब्राजील की द सीक्रेट एजेंट , फ्रांस की इट वाज जस्ट एन एक्सीडेंट , जर्मनी की साउंड ऑफ फॉलिंग , इराक की द प्रेसिडेंट्स केक , जापान की कोकुहो , जॉर्डन की ऑल दैट्स लेफ्ट ऑफ यू , नॉर्वे की सेंटिमेंटल वैल्यू , फलस्तीन की पैलेस्टाइन 36 , दक्षिण कोरिया की नो अदर चॉइस , स्पेन की सिरात , स्विट्जरलैंड की लेट शिफ्ट , ताइवान की लेफ्ट-हैंडेड गर्ल और ट्यूनीशिया की द वॉइस ऑफ हिंद रजब से मुकाबला है। करण जौहर ने ऑस्कर के लिए छांटी गई फिल्मों की सूची का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने लिखा, हम छांटी गई फिल्मों की सूची में हैं (8230)। होमबाउंड की टीम को बधाई एक अन्य पोस्ट में जौहर ने कहा कि उन्हें यह व्यक्त करने के लिए शब्द ही नहीं मिल रहे कि वह कितना गर्व और खुशी महसूस कर रहे हैं। नीरज घेवान ने भी जौहर की पोस्ट साझा कर खुशी जताई। होमबाउंड का निर्माण करण जौहर और अदार पूनावाला ने किया है। फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पत्रकार बशारत पीर के न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित लेख टेकिंग अमृत होम (जिसका एक अन्य शीर्षक ए फ्रेंडशिप, ए पैनडेमिक एंड ए डेथ बिसाइड द हाईवे भी है) से प्रेरित है।

Year Ender 2025

रोमांस से लेकर क्राउड पुल तक, इन ऑन-स्क्रीन जोड़ियों का रहा जलवा

2025 में सिनेमा के साथ-साथ कहानियों का अंदाज़ भी बदलता रहा, और इसमें ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने अहम भूमिका निभाई। इस साल कई ऐसी जोड़ियाँ सामने आईं जिन्होंने सिर्फ साथ काम नहीं किया, बल्कि ऐसे पल रचे जिन्हें दर्शकों ने दिल से महसूस किया। इन जोड़ियों के सीन लोगों ने पसंद किए, उन्हें याद रखा और थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी उनकी चर्चा होती रही। कहीं सच्चा और गहरा प्यार दिखा, तो कहीं हल्की-फुल्की दोस्ती और अपनापन। इन ऑन-स्क्रीन जोड़ियों ने फिल्मों को भावनाओं से भर दिया और हर जगह बातचीत का हिस्सा बनीं। आइए देखते हैं उन जोड़ियों को, जिनसे 2025 में दर्शकों को सच में प्यार हो गया।

छावा में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना

छावा में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री गहरी भावनाओं और गंभीरता से भरी हुई नजर आई। विक्की की दमदार मौजूदगी के साथ रश्मिका की मजबूत और असरदार अदाकारी खूब जमी। दोनों का रिश्ता स्क्रीन पर बहुत सच्चा लगा, जैसे ये किरदार सच में उस दुनिया का हिस्सा हों। उनकी जोड़ी ने फिल्म की कहानी को और मजबूत बनाया और यही वजह रही कि साल भर उनकी केमिस्ट्री की खूब चर्चा होती रही।

दे दे प्यार दे 2 में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह

दे दे प्यार दे 2 में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी एक बार फिर हल्के-फुल्के अंदाज़ में नजर आई। फिल्म में प्यार को समझदारी और आज की सोच के साथ दिखाया गया है। उनकी केमिस्ट्री मज़ेदार बातचीत, अपनापन और सच्ची भावनाओं के साथ और खूबसूरत लगती है। दोनों का साथ स्क्रीन पर बिल्कुल नैचुरल लगा, जिससे यह फिल्म दर्शकों के दिल से जुड़ गई और प्यार व ज़िंदगी को सादे लेकिन असरदार तरीके से पेश कर पाई।

तेरे इश्क़ में में धनुष और कृति सेनन

तेरे इश्क़ में में धनुष और कृति सेनन की जोड़ी ने गहराई और सादगी का खूबसूरत मेल दिखाया। धनुष का किरदार पूरी तरह से कहानी में डूबा हुआ नजर आया, वहीं कृति ने अपने किरदार की भावनाओं को धीरे-धीरे और बहुत सच्चे तरीके से सामने रखा। दोनों के बीच का प्यार न ज़्यादा बनावटी लगा, न ही दिखावटी, बल्कि बिल्कुल दिल से जुड़ा हुआ महसूस हुआ। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म की भावनात्मक कहानी को मजबूत बनाया और दर्शकों के मन में लंबे समय तक असर छोड़ दिया।

हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार और जैकलीन फर्नांडिस

हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार और जैकलीन फर्नांडिस की जोड़ी ने एंटरटेनमेंट का पूरा डोज़ दिया। दोनों की जानी-पहचानी केमिस्ट्री ने फिल्म में चमक और मस्ती जोड़ दी। अक्षय का कॉमिक टाइमिंग और जैकलीन का ग्लैमर मिलकर कहानी को और मज़ेदार बनाते हैं। उनकी जोड़ी ने फ्रेंचाइज़ी की पहचान को बनाए रखते हुए दर्शकों को हँसाया और मनोरंजन किया।

चिंग्स फिल्म में रणवीर सिंह और श्रीलीला

चिंग्स फिल्म में रणवीर सिंह और श्रीलीला की जोड़ी साल की सबसे नई और दिलचस्प जोड़ियों में से एक बनकर सामने आई। दोनों की अलग-अलग स्क्रीन एनर्जी ने फिल्म को खास बना दिया। रणवीर की चुलबुली और रंगीन मौजूदगी को श्रीलीला की सादगी और ठहराव ने खूबसूरती से संतुलित किया। उनकी केमिस्ट्री ताज़ी, आकर्षक और देखने में बेहद मज़ेदार लगी, जिसने दर्शकों का ध्यान तुरंत खींच लिया।

मेट्रो इन दिनों में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान

मेट्रो इन दिनों ने शहरों में बनने-बिगड़ने वाले रिश्तों को संवेदनशील तरीके से दिखाया, जिसमें आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान की जोड़ी ने कहानी को मज़बूती दी। दोनों की सधी हुई केमिस्ट्री आज के दौर के प्यार को दिखाती है, जहाँ सपने, डर और भावनाएँ एक साथ चलती हैं। उनकी अदाकारी में सादगी थी, जिससे उनकी कहानी आज के दर्शकों को बेहद अपनी-सी लगी।

सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा

सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी ने एक ताज़ा और मासूम प्यार की कहानी पेश की। दोनों का रिश्ता सच्ची भावनाओं, और सपनों से भरा हुआ लगा। उनकी केमिस्ट्री बनावटी नहीं लगी, बल्कि बिल्कुल नैचुरल महसूस हुई, जिससे कहानी और भी भरोसेमंद बन गई। इस फिल्म ने उन्हें एक नई और उभरती हुई ऑन-स्क्रीन जोड़ी के रूप में सामने रखा, जिसे आगे देखना दिलचस्प होगा। 2025 ने एक बार फिर साबित किया कि यादगार सिनेमा की जान अक्सर ऑन-स्क्रीन रिश्तों में होती है। इन जोड़ियों ने न सिर्फ अपनी फिल्मों को मज़बूत बनाया, बल्कि ऐसी केमिस्ट्री दिखाई जो सच्ची, दिल से जुड़ी और दर्शकों को छू जाने वाली लगी। जैसे-जैसे कहानियाँ आगे बढ़ेंगी, ये ऑन-स्क्रीन जोड़ियाँ 2025 के सिनेमा की सबसे खास और यादगार झलक बनकर हमेशा याद रखी जाएँगी।

(साभार एजेंसी)

राम सेतु से टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर लॉन्च: पैरामोटर से ब्रिज के ऊपर घुमाया गया

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर की शुरुआत राम सेतु के ऊपर की गई। इस मौके पर दो-सीटर पैरामोटर के जरिए ट्रॉफी को आसमान में ले जाया गया, जिसने इस लॉन्च को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया। भारत में एडम्स ब्रिज को राम सेतु के नाम से जाना जाता है। यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ टूर्नामेंट के दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका को जोड़ता भी है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले 29 दिनों तक खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और मैच भारत व श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर आयोजित किए जाएंगे। टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी एशिया के ओमान, नेपाल जैसी देशों का भी दौरा करेगी।

राम सेतु ब्रिज ही क्यों चुना गया

राम सेतु भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका ही होस्ट कर रहे हैं, इसलिए यह स्थान दोनों देशों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में टूर्नामेंट की भावना को साफ तौर पर दर्शाता है। आईसीसी ने इस ट्रॉफी टूर को सिर्फ एक प्रचार अभियान नहीं, बल्कि दुनिया भर के फैंस को जोड़ने वाली यात्रा बताया है। राम सेतु का अर्थ ही जोड़ना है, और यही संदेश क्रिकेट के जरिए देशों और लोगों को काउंसिल देना चाहता है।

आरआर के लिए खेलना घर जैसा महसूस होगा, जोधपुर के रवि बिश्नोई 7.2 करोड़ में रॉयल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने एक शानदार होमकमिंग पूरी करते हुए भारतीय लेग-स्पिनर और राजस्थान के मूल निवासी रवि बिश्नोई को ?7.2 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। जोधपुर से ताल्लुक रखने वाले बिश्नोई रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में साबित हो चुकी गुणवत्ता और नई ऊर्जा जोड़ते हैं। राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर रवि बिश्नोई ने कहा,'राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर पर खेलने जैसा महसूस होगा। मैंने अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत यहीं ऋमें की थी, और अब अपने राज्य के नाम वाली टीम का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' आरआर के लीड ओनर मनोज बदाले ने कहा, 'रवि एक खास प्रतिभा हैं और हमारे फैंस लंबे समय से उन्हें रॉयल्स के रंग में देखने के इच्छुक थे। फ्रेंचाइज़ी में उनकी वापसी एक सच्ची होमकमिंग जैसी है, खासकर यह जानते हुए कि उन्होंने अपने सफर की शुरुआत यहीं से की थी। वह एक बेहद कुशल गेंदबाज, शानदार फील्डर और उस भूख व जज़्बे का प्रतीक हैं जिसे हम इस फ्रेंचाइज़ी में महत्व देते हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: सरफराज खान की 5 साल बाद आईपीएल में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सरफराज खान की पांच साल बाद वापसी हुई। आईपीएल 2026 के लिए मेगा ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने सरफराज खान को उनके बेस प्राइस यानी 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान ने आईपीएल में अपना आखिरी मैच 2021 में खेला था।

सरफराज खान ने आईपीएल में अब तक 40 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 23.21 के औसत और 138.24 के स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। सरफराज खान का आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर 67 रन है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में उनका एकमात्र अर्धशतक भी है। आईपीएल 2021 में सरफराज खान को दिल्ली कैपिटल्स की ओर से दो मैच खेलने को मिले थे। हालांकि, वह दोनों ही मुकाबलों में एक भी रन नहीं बना पाए थे। वह कुल चार गेंदें ही खेल पाए थे। सरफराज खान का आईपीएल में सबसे अच्छा प्रदर्शन साल 2019 में रहा था। तब उन्होंने 45.00 के औसत और 125.87 के स्ट्राइक रेट से 8 मैच में 180 रन बनाए थे। सरफराज ने आईपीएल में पहली बार 2015 के संस्करण में खेला था। उस सीजन उन्होंने 13 मैच में 27.75 के औसत और 156.33 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन था।

ग्लोबल चैस लीग:

गुरु आनंद ने शिष्य गुकेश को हराया, गंगा ग्रैंड मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे दिन पर रोमांच अपने चरम पर रहा, जब प्रोडिजी बोर्ड पर आख़िरी क्षणों में मिली जीत के दम पर फायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स ने मौजूदा चैंपियन त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के खिलाफ़ शानदार वापसी करते हुए 10-8 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल है। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में गंगा ग्रैंडमास्टर्स ने पीबीजी अलास्कन नाइट्स को 12-3 से हराकर अपनी मजबूत लय बरकरार रखी। खैर दिन का आकर्षण रहा गंगा ग्रैंडमास्टर्स और पीबीजी अलास्कन नाइट्स के बीच मुकाबले में दिग्गज पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और युवा सितारे वर्तमान विश्व चैंपियन गुकेश डी. के बीच आइकन बोर्ड की टक्कर । अन्य बोर्डों पर भी दिलचस्प मुक़ाबले देखने को मिले, जहां अर्जुन एरिगैसी का सामना विंसेंट कीमर से हुआ, वहीं वर्ल्ड कप चैंपियन जावोखिर सिंदारोव ने लीनियर डोमिंगेज़ के खिलाफ़ अहम जीत दर्ज की। डेनियल डार्डा और रौनक साधवानी के बीच ड्रॉ के बाद सिंदारोव की जीत ने ग्रैंडमास्टर्स को शुरुआती बढ़त दिलाई।लेकिन सबसे बड़ी जीत दर्ज की विश्वनाथन आनंद नें जिन्होंने सफेद मोहरो से गुकेश के ख़िलाफ़ अपने हाथी को क़ुर्बान करते हुए अपने दो प्यादों के दम पर सबसे बेहतरीन जीत दर्ज की । इस जीत के साथ गंगा ग्रैंड मास्टर्स अब शीर्ष 3 टीमों में शामिल हो गई है ।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए आनंद ने कहा, 'गुकेश के खिलाफ़ खेलना अच्छा लगा, वह बेहद लड़ाकू खिलाड़ी है। लेकिन सच कहूं तो मैं किसी के भी खिलाफ़ यह अंक लेना चाहता था। इस सीज़न का मेरा पहला पॉइंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

वहीं दिन के तीसरे मुक़ाबले में एक बेहद करीबी मुक़ाबले में सब तक सबसे आगे चल रही मुम्बा मास्टर्स को जिन्हें अल्पाइन एसजी पाइपर्स के हाथों एक करीबी हार का सामना करना पड़ा ।

900 मिलियन डॉलर है मेसी के बाएं पैर की कीमत, इतने में तो खरीद लें पूरा देश !

कोलकाता (एजेंसी)। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी का भारत दौरा किसी सपने जैसा रहा। कोलकाता और हैदराबाद के बाद जब मेसी नई दिल्ली पहुंचे, तो फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस दौरे के बीच मेसी के खेल से ज्यादा उनके बाएं पैर के 900 मिलियन डॉलर (करीब 74 अरब रुपये) के बीमा की चर्चा हो रही है। यह रकम इतनी बड़ी है कि इसमें कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था समा सकती है।

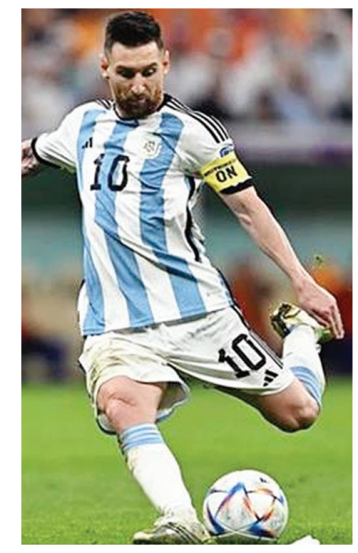

क्यों नहीं खेला कोई मैच?

भारतीय फैंस इस उम्मीद में थे कि मेसी मैदान पर अपनी जादुई किक दिखाएंगे, लेकिन वे सिर्फ जर्सी और उपस्थिति तक ही सीमित रहे। इसके पीछे का कारण उनका भारी-भरकम इंश्योरेंस है। दरअसल इतनी बड़ी बीमा राशि होने के कारण खिलाड़ी किसी अन्य मैच में नहीं खेलते। अगर ऐसे मैच में चोट लगती है, तो बीमा कंपनियां उसका कवर नहीं देतीं, जिससे करोड़ों डॉलर का वित्तीय जोखिम खड़ा हो जाता है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मेसी का ऐतिहासिक सम्मान किया गया। यहाँ भारतीय खेल जगत के दो सबसे बड़े प्रेम–क्रिकेट और फुटबॉल–एक साथ दिखे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने मेसी को 2024 टी-20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के हस्ताक्षर वाला बल्ला भेंट किया। साथ ही, मेसी को टीम इंडिया की जर्सी भी दी गई, जो इस ऐतिहासिक पल की गवाह बनी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री चरणी को दिया 2.5 करोड़ का नकद पुरस्कार

महिला विश्व कप में 14 विकेट लिए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप जीता था। विश्व विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य श्री चरणी को बुधवार को आंध्र प्रदेश की सरकार ने सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने श्री चरणी से उनके उंडावल्ली स्थित घर पर मुलाकात की और उन्हें सरकार की तरफ से 2.5 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। कैश इनाम के अलावा, सरकार ने उन्हें विशाखापत्तनम में 500 स्क्वायर यार्ड का एक आवासीय प्लॉट भी दिया है। उनकी डिग्री पूरी होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने नौकरी का भी भरोसा दिया है। इससे संबंधित आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम राज्य सरकार के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और आंध्र प्रदेश की युवा महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विश्व कप के बाद श्री चरणी से मुलाकात के समय उनके लिए पुरस्कारों की घोषणा की थी। कार्यक्रम में परिवहन और खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष अनिमिनी रविनायुडू, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (खेल) अजय जैन और दूसरे सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे। कडप्पा जिले की रहने वाली श्री चरणी ने भारतीय टीम को महिला विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बाएं हाथ की इस स्पिनर ने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे और टूर्नामेंट की चौथी सफल गेंदबाज रही थीं। 21 साल की चरणी ने अप्रैल 2025 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्व कप में मौका दिया गया और उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट के फैसले को साबित किया। कुल 18 वनडे में 23 और 5 टी20 में 10 विकेट ले चुकी चरणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बड़ी स्टार के रूप में उभरी हैं।

आर श्रीधर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के फील्डिंग कोच नियुक्त

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट ने अगले साल होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप तक के लिए आर श्रीधर को राष्ट्रीय टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया है। लेवल 3 क्वालिफाइड कोच श्रीधर ने पहले 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच के रूप में काम किया है। हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ कंसल्टेंट कोच के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंका के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार श्रीधर ने कहा, 'श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा, लचीलेपन और सामूहिक भावना के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम कोई सिस्टम थोपना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी क्षमता, जागरूकता और मैदान पर गर्व स्वाभाविक रूप से बढ़ सके।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक-दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं।

टी20 विश्व कप 2026:

42 साल के वेन मैडसेन करेंगे इटली की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने कहा है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में वेन मैडसेन टीम के कप्तान होंगे। यह पहला मौका है जब इटली टी20 विश्व कप का हिस्सा बन रही है। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वेन मैडसेन को विश्व कप में इटली की कप्तानी का सबसे पसंदीदा उम्मीदवार माना गया है।

वेन मैडसेन अगले साल 2 जनवरी को 42 साल के हो जाएंगे। मैडसेन ने इटली के लिए अब तक 4 टी20 मैच खेले हैं जिसमें 1 अर्धशतक की मदद से 95 रन बनाए हैं। हालांकि इटली ने टी20 विश्व कप 2026 में क्वालिफिकेशन बर्न्स की कप्तानी में हासिल की है।

बर्न्स ने जुलाई 2025 में नीदरलैंड्स में क्वालिफाइंग कैंपेन के दौरान नेशनल टीम की कप्तानी की थी। उन्हीं की कप्तानी में इटली ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक रूप से अपनी जगह बनाई। फेडरेशन ने जो बर्न्स को इटैलियन क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया है। इटली अपना टी20 विश्व कप कैंपेन 9 फरवरी को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, टीम को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल के खिलाफ खेलना है। इटली आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ये सीरीज विश्व कप से पहले होगी। सीरीज इटली के लिए ऐतिहासिक है।

आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ उसकी यह पहली तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज है। सभी मैच 23 जनवरी से दुबई के सेवेंस स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज दोनों टीमों को इस बड़े इवेंट से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाने का एक कीमती मौका भी देती है। इटैलियन टीम ने अभी तक अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी प्लेयर लिस्ट जमा नहीं की है।

बाबर, शाहीन, रिजवान श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में खेलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (कप्तान) के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी बिग बैश लीग (बीबीएल) का पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया गया है कि जनवरी में श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ी पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। सीए ने टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के टी20 दौरे की योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए पाकिस्तान में एक टीम भेजी है।

टॉड ग्रीनबर्ग ने यह यह भी बताया कि मैके और डार्विन ऑस्ट्रेलिया की सर्दियों में बंगलादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे और तारीखों की घोषणा जनवरी में की जाएगी। चिंता थी कि बीबीएल में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों के ग्रुप जिसमें बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, शादाब खान, हारिस रऊफ और हसन अली शामिल हैं, उन्हें जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका में एक छोटी टी-20 सीरीज खेलने के लिए वापस बुलाया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में इसकी घोषणा की थी। एडिलेड ओवल में तीसरे एशेज टेस्ट की सुबह पत्रकारों के एक ग्रुप के साथ लंबी बातचीत में ग्रीनबर्ग ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि खिलाड़ी बीबीएल में बने रहेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमें बताया गया है कि अगर उन्होंने बीबीएल के लिए साइन किया है, तो वे पूरा बीबीएल खेलेंगे। टी20 विश्वकप से पहले पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है.

वर्ल्ड कप विनिंग टीम को मिली टाटा सिएरा एसयूवी

● कार में ट्रिपल डिस्प्ले और सेफ्टी के लिए लेवल-2 एडीएएस, शुरुआती कीमत 11.49 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स ने हाल ही में लॉन्च एसयूवी सिएरा का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट किया है। इवेंट में टाटा संस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और एमडी और सीईओ शैलेश चंद्र शामिल थे। कंपनी ने ऐलान किया था कि वह हर टीम मेंबर को सिएरा का टॉप मॉडल देगी। भारतीय वूमन्स टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के मैदान पर साउथ अफ्रीका की विमेंस टीम को 52 रन से मात देने के साथ इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

यशस्वी जायसवाल राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद अस्पताल में हुए भर्ती

पुणे, एजेंसी। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ हुए मैच के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यशस्वी जायसवाल को पेट में तेज ऐंठन होने के बाद आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। जायसवाल को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को पूरे मैच के दौरान पेट में ऐंठन हो रही थी और मैच के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। अस्पताल में उनका अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन हुआ। इसके बाद चिकित्सकों को उनकी परेशानी का पता चला। फिलहाल उनकी स्थिति ठीक है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी हालत पर कोई ऑफिशियल अपडेट जारी नहीं किया है, हालांकि आने वाले दिनों में और क्लैरिटी मिलने की उम्मीद है। यशस्वी जायसवाल भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और इसी वजह से सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में मुंबई की तरफ से खेल रहे हैं। हरियाणा के खिलाफ जायसवाल ने तूफानी शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी थी, बल्कि भारतीय टी20 टीम में बतौर ओपनर अपना दावा ठोका था। हरियाणा के खिलाफ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने 50 गेंद पर 16 चौके और 1 छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। इस दौरान 23 गेंद पर उन्होंने अर्धशतक और 48 गेंद पर शतक लगाया था। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गिल बतौर ओपनर टी20 में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं और लगातार असफल रहे हैं। गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह जायसवाल और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाजों को ड्रॉप करके दी गई है। ऐसे में जायसवाल के शतक ने गिल के लिए मुश्किल बढ़ा दी है। जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए 23 टी20 मैचों की 22 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 723 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 164.32 है।

यात्रा के नतीजों पर प्रकाश: जन-केंद्रित भारत-इथियोपिया साझेदारी में महत्वपूर्ण कदम : मोदी

» अदीस अबाबा, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इथियोपिया यात्रा के नतीजों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया जाना विकास और जन-केंद्रित विकास पर आधारित द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को इथियोपिया की पहली द्विपक्षीय यात्रा पर पहुंचे थे। इस दौरान भारत और इथियोपिया ने अपने ऐतिहासिक संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया। उन्होंने अपने इथियोपियाई समकक्ष अबी अहमद अली के साथ व्यापक मुद्दों पर बातचीत भी की, जिसके बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में तीन समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। ये समझौता ज्ञापन संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के प्रशिक्षण, सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता और इथियोपिया के विदेश मंत्रालय में डेटा सेंटर की स्थापना से संबंधित हैं।

दोनों पक्षों ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने, जी-20 के तहत ऋण पुनर्गठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की अधिक छात्रवृत्तियों, इथियोपियाई नागरिकों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) पर लघु पाठ्यक्रम तथा मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के समर्थन की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ये हमारी लंबी समय से चली आ रही और भरोसेमंद साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि शासन, शांति स्थापना से लेकर डिजिटल क्षमता और शिक्षा तक, ध्यान लोगों को सशक्त बनाने पर बना हुआ है। उन्होंने कहा, ज्ञान, कौशल और नवाचार पर जोर हमारे इस साझा विश्वास को दर्शाता है कि हम युवाओं को भविष्य को आकार देने वाला मानते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग मानव गरिमा और सबसे कमजोर वर्ग की देखभाल के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दिखाता है। ए परिणाम दर्शाते हैं कि भारत-इथियोपिया साझेदारी विकास और जन-केंद्रित विकास पर आधारित है। बुधवार को विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने प्रेस वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ साझा लड़ाई में इथियोपिया के मजबूत समर्थन के लिए प्रधानमंत्री अबी अहमद का आभार जताया। जॉर्डन से यहां पहुंचे मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान द ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया भी प्रदान किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह पहले वैश्विक राष्ट्राध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे और लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की यात्रा तथा भारत-इथियोपिया साझेदारी द्वारा ग्लोबल साउथ को दिए जा सकने वाले योगदान पर अपने विचार साझा करेंगे।

वंदे मातरम् पर इथियोपियाई गायकों की प्रस्तुति ने मन को छू लिया: प्रधानमंत्री

अदीस अबाबा, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली की ओर से उनके स्वागत में आयोजित समारोह में वंदे मातरम् की प्रस्तुति को मन को छू लेने वाली करार दिया। मोदी ने बुधवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें इथियोपिया के तीन गायक भारतीय राष्ट्रगीत गाते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री और भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों को इस दौरान उत्साहपूर्वक तालियां बजाते हुए देखा जा सकता है। मोदी ने एक पोस्ट में कहा, कल प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा आयोजित रात्रिभोज में, इथियोपियाई गायकों ने वन्दे मातरम की एक अद्भुत गायन प्रस्तुति दी। यह ऐसे समय में एक गहरा भावनात्मक क्षण था जब हम वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। मोदी चार दिन के लिए तीन देशों की यात्रा पर हैं। वह मंगलवार को जॉर्डन से यहां पहुंचे थे और यहां से ओमान के लिए रवाना होंगे।

मोदी की इथियोपिया की पहली यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में ओमान रवाना

» अदीस अबाबा, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम चरण में बुधवार को इथियोपिया से ओमान के लिए रवाना हुए। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली मोदी को हवाई अड्डे तक ले गए और ओमान के लिए रवाना होते समय उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मोदी को विदाई दी। अबी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुझे उम्मीद है कि हमें फिर से मिलने का अवसर मिलेगा। हमारे देश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों से हमेशा जुड़े रहेंगे। मोदी की इथियोपिया की पहली यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने अपने ऐतिहासिक संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इथियोपियाई समकक्ष के साथ व्यापक वार्ता की, जिसके बाद दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए।

जिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए उनमें संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों के लिए प्रशिक्षण, सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता और इथियोपिया के विदेश मंत्रालय में डेटा सेंटर की स्थापना आदि शामिल है। दोनों पक्षों ने जी20 के तहत ऋण पुनर्गठन, एआई लघु पाठ्यक्रम और मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल के लिए समर्थन की भी घोषणा की। मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित किया और इस दौरान उन्होंने दोनों देशों को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार बताया। यह दुनिया की 18वीं संसद थी जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इथियोपियाई संसद में अपने संबोधन के बाद इथियोपिया के मंत्रियों और सांसदों के साथ बातचीत करके मुझे बहुत खुशी हुई। प्रधानमंत्री को इथियोपिया का सर्वोच्च पुरस्कार द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया प्रदान किया गया। वह यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले विदेशी नेता हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पहल और इथियोपिया की हरित विरासत पहल के तहत इथियोपियाई जन प्रतिनिधि सभा में एक पौधा भी रोपा। उन्होंने कहा, दो राष्ट्र, दो परंपराएं, हमारी धरती माता का सम्मान करने और एक हरित भविष्य का निर्माण करने का एक साझा वादा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इथियोपिया यात्रा के नतीजों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया जाना विकास और जन-केंद्रित विकास पर आधारित द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एआई सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए अंतरराष्ट्रीय एआई एजेंडे को आकार देने का मौका: भारत

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यहां कहा कि अगले साल की शुरुआत में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के देशों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडे को सक्रियता से आकार देने का अवसर मिलेगा। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जो प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मामले में कम विकसित माने जाते हैं। ए देश मुख्यतः दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं। इसमें अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका के देश शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे। पहली बार ग्लोबल साउथ के किसी देश में एआई सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे पहले बलेटचली पार्क (ब्रिटेन), सियोल और पेरिस में इसी तरह के वैश्विक एआई सम्मेलन हो चुके हैं। प्रसाद ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत और फ्रांस के स्थाई मिशन द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान कहा, यह प्रतीकात्मक नहीं है, यह ठोस एवं सार्थक है। उन्होंने कहा कि उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देश भविष्य में एआई के उपयोगकर्ताओं, डेटा सृजन और इस्तेमाल के मामले में महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, इसलिए उन्हें वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में भूमिका निभानी चाहिए। प्रसाद ने सभी हितधारकों को नई दिल्ली में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए कहा, भारत एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन को किसी अंतिम बिंदु के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे मंच के रूप में देखता है, जो सरकारों, उद्योग जगत, शोधकर्ताओं, नागरिक समाज और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक साथ लाकर मिलकर समाधान खोजने और सतत सहयोग के लिए प्रतिबद्ध करता है। यह ऐसा मंच है, जहां ग्लोबल साउथ केवल चर्चा का विषय नहीं रहता।

भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैं: मोदी

अदीस अबाबा, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैं। मंगलवार को अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर इथियोपिया पहुंचे मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र पर स्थित है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों में जलवायु और विचारों के मामले में भी समानता है। मोदी के संबोधन के अंत में सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाई। मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। वह मंगलवार को जॉर्डन से यहां पहुंचे थे और यहां से ओमान के लिए रवाना होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी अभिनेता-निर्देशक रॉब राइनर के बेटे निक पर माता-पिता की हत्या संबंधी आरोप लगाए गए

» लॉस एंजिलिस, भाषा।

अमेरिकी अभिनेता एवं निर्देशक रॉब राइनर के बेटे निक राइनर पर अपने माता-पिता की हत्या के मामले में आरोप लगाए जाएंगे। लॉस एंजिलिस काउंटी के अभियोजकों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिला अटॉर्नी नाथन होचमैन ने लॉस एंजिलिस के पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि 32 वर्षीय निक राइनर पर अपने पिता 78 वर्षीय रॉब राइनर और मां मिशेल सिंगर राइनर की हत्या के संबंध में आरोप लगाए जाएंगे। अभियोजकों ने बताया कि प्रथम श्रेणी हत्या के दो आरोप दाखिल किए जाएंगे। आरोप-पत्र में यह विशेष आरोप भी शामिल होगा कि अपराध में एक खतरनाक हथियार चाकू का इस्तेमाल किया गया।

लॉस एंजिलिस के पॉश ब्रेंटवुड इलाके में रॉब राइनर और उनकी पत्नी अपने घर में दो दिन पहले मृत पाए गए थे। उनके शरीर पर चाकू से हमला किए जाने के निशान थे। पुलिस ने बताया कि घटना के कुछ घंटे बाद निक राइनर को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। निक राइनर ने अपना दोष स्वीकार या अस्वीकार नहीं किया है। अधिकारियों ने हत्या के पीछे के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। रॉब राइनर हॉलीवुड के सबसे सफल निर्देशकों में से एक थे और उन्होंने 1980 और 90 के दशक में दर्शकों को कई यादगार फिल्में दीं, जिनमें दिस इज स्पाइनल टैप , ए फ्यू गुड मेन , व्हेन हैरी मेट सैली और द प्रिंसेस ब्राइड शामिल है।

सुरक्षा स्थिति के कारण भारत ने बांग्लादेश की राजधानी में वीजा आवेदन केंद्र बंद किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए बुधवार को अपना कार्यालय बंद कर दिया। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एवं एकीकृत केंद्र है। आईवीएसी ने एक बयान में कहा, मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि आईवीएसी जेएफपी ढाका आज अपराह्न दो बजे बंद कर दिया जाएगा। आईवीएसी ने कहा कि बुधवार को आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित अपॉइंटमेंट स्लॉट वाले सभी आवेदकों के अपॉइंटमेंट बाद की तारीख के लिए पुनर्निर्धारित किए जाएंगे।

इससे पहले दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताई विदेश मंत्रालय ने कहा, हम अंतरिम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह बांग्लादेश में स्थित मिशन और कार्यालयों की अपने कूटनीतिक दायित्वों के अनुरूप सुरक्षा सुनिश्चित करे। बयान में कहा गया कि उच्चायुक्त को बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया।

सिडनी में बॉण्डी बीच नरसंहार के संदिग्ध बंदूकधारी पर हत्या के पन्द्रह आरोप लगाए गए

» सिडनी, भाषा।

सिडनी के बॉण्डी बीच में हुई गोलीबारी की घटना के मामले में संदिग्ध बंदूकधारी पर हत्या के पन्द्रह आरोप सहित कुल 59 आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने बताया था कि रविवार को हनुक्का उत्सव के दौरान पिता और पुत्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी जिसमें एक बच्चे सहित पन्द्रह लोग मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 24 वर्षीय आरोपी पर बुधवार को सिडनी के एक अस्पताल में आरोप तय किए गए जहां वह रविवार को बॉण्डी बीच पर पुलिस की गोलीबारी में घायल होने के बाद से भर्ती है।

उसका 50 वर्षीय पिता पुलिस की कार्रवाई में मारा गया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय पुलिस आयुक्त क्रिसी बैरेट ने मंगलवार को बताया था कि सिडनी के बॉण्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान सरेआम गोलीबारी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित एक आतंकवादी हमला था। इस हमले में 15 लोग मारे गए थे। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध पर गोलीबारी में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के वास्ते हत्या का एक-एक आरोप लगाया गया है एवं आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने का एक आरोप भी लगाया गया

अमेरिका में बीस और देशों पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंध

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 20 और देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं जिसमें फलस्तीनी प्राधिकरण भी शामिल है। अमेरिका की यात्रा करने और वहां प्रवास करने को लेकर इस साल पहले घोषित व्यापक प्रतिबंधों से प्रभावित देशों की संख्या ट्रंप प्रशासन की इस घोषणा के बाद दोगुनी हो जाएगी। ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की सूची में पांच अन्य देशों को शामिल किया है जो यात्रा संबंधी पूर्ण प्रतिबंध झेल रहे हैं। इसके अलावा, फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा जारी दस्तावेजों पर यात्रा करने वाले लोगों को भी इस पूर्ण प्रतिबंध के दायरे में लाया गया है, जबकि 15 अन्य देशों पर नई पाबंदियां लगाई गई हैं।

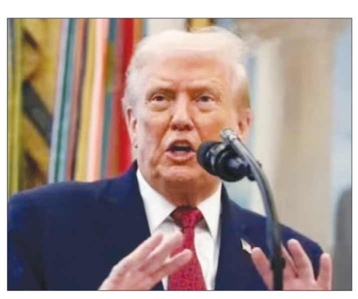

यह कदम यात्रा और आव्रजन के लिए अमेरिका में प्रवेश के मानकों को और सख्त करने के प्रशासन के जारी प्रयासों का हिस्सा है। आलोचकों का कहना है कि इससे कई देशों के लोगों की यात्रा पर अनुचित रूप से रोक लग रही है। जिन लोगों के पास पहले से वीजा है, जो अमेरिका के वैध स्थाई निवासी हैं, जो राजनयिकों या खिलाड़ियों जैसी कुछ विशेष वीजा श्रेणियां के तहत अमेरिका आते हैं या जिनका अमेरिका में प्रवेश देश के हित में माना जाता है, उन्हें इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। घोषणा में कहा गया है कि ए बदलाव एक जनवरी से प्रभावी होंगे। जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका आने से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा, जबकि सात अन्य देशों के नागरिकों पर यात्रा संबंधी पाबंदियां लगाई जाएंगी। उस समय प्रतिबंध की सूची में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे, जबकि बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले आगंतुकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार घोषणा की कि अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध झेल रहे देशों की सूची का विस्तार करते हुए इसमें बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को भी शामिल किया जा रहा है।

ट्रंप ने वेनेजुएला में प्रतिबंधित तेल टैंकरों की नाकेबंदी का आदेश दिया, मादुरो पर दबाव बढ़ा

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकरों की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सैन्य दबाव तब तक बढ़ाता रहेगा।

पाकिस्तान सरकारी विमानन कंपनी में पूरी हिस्सेदारी बेचेगा

» इस्लामाबाद , भाषा।

पाकिस्तान ने सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) में अपनी पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। स्थानीय मीडिया में बुधवार को आई खबरों के मुताबिक निजीकरण प्रक्रिया में शामिल बोलीदाताओं ने सौदे के बाद सरकार की किसी भी भूमिका के बिना पूर्ण प्रबंधन नियंत्रण की मांग की थी। बोली 23 दिसंबर को होनी है और घाटे में चल रही राष्ट्रीय विमानन कंपनी की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए शुरुआत में बोली लगाई जाएगी। विजेता बोलीदाता को एक महीने के भीतर बाकी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का विकल्प दिया जाएगा, जिसके लिए उसे 12 प्रतिशत का प्रीमियम भी देना होगा। यह अतिरिक्त 12 प्रतिशत इसलिए लिया जाएगा, क्योंकि खरीदार को तत्काल भुगतान के बजाय एक साल तक भुगतान टालने की अनुमति दी जाएगी।

अधिकारियों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार को बताया कि सरकार को बोली राशि का सिर्फ 7.5 प्रतिशत नकद मिलेगा, जबकि 92.5 प्रतिशत रकम सीधे पीआईए में निवेश की जाएगी, ताकि उसके

पुनरुद्धार में मदद मिल सके। निजीकरण आयोग के अधिकारियों के मुताबिक चारों बोलीदाताओं ने सौदे के बाद पीआईए में सरकार की कोई भूमिका न होने की शर्त रखी थी, इसी कारण सरकार 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कंसोर्टियम, फौजी फाउंडेशन की इकाई फौजी फर्टिलाइजर और एयर ब्लू जैसे प्रमुख कारोबारी समूह पीआईए के लिए बोली लगा रहे हैं। निजीकरण पर प्रधानमंत्री के सलाहकार मुहम्मद अली ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि सभी बोलीदाता फैसले लेने में आसानी के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सेदारी चाहते थे।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगाया गया प्रतिबंध एक माह और बढ़ाया

इस्लामाबाद/लाहौर, भाषा। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को एक और माह के लिए बढ़ाते हुए 23 जनवरी तक लागू करने का फैसला किया है। पहलगाम हमले के बाद अप्रैल में पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तान पर इसी तरह का प्रतिबंध लगाया है। पिछला विस्तारित प्रतिबंध 24 दिसंबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) ने बुधवार को इसे 23 जनवरी तक बढ़ा दिया। पीएए ने कहा, पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए बंद रहेगा जिनमें भारतीय विमान कंपनियों के स्वामित्व वाले, उनके द्वारा संचालित या उनके द्वारा पट्टे पर लिए गए सभी विमान शामिल हैं और इसके साथ ही भारतीय सैन्य उड़ानें भी इसमें शामिल हैं।

अमेरिका ने एक और लातिन अमेरिकी मादक पदार्थ गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित किया

बोगोटा, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को एक और लातिन अमेरिकी मादक पदार्थ गिरोह को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया, जिससे उसके सदस्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है और उनके खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई का रास्ता भी खुल गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोलंबिया स्थित क्लान डेल गोल्फो को विदेशी आतंकवादी संगठन और वैश्विक आतंकवादी समूह दोनों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। विभाग ने इसे हिंसक और शक्तिशाली आपराधिक संगठन बताते हुए कहा कि यह कोकीन की तस्करी के जरिए हिंसक गतिविधियों को वित्तपोषित करता है। बयान में कहा गया, क्लान डेल गोल्फो कोलंबिया में सार्वजनिक अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सैन्य कर्मियों और आम नागरिकों पर आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सितंबर में ट्रंप प्रशासन ने लगभग 30 वर्षों में पहली बार कोलंबिया को मादक पदार्थ विरोधी सहयोग में विफल देशों की सूची में डाला था। यह अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी के लिए कड़ी फटकार मानी गई, जो कोकीन उत्पादन में हालिया बढ़ोतरी और कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के साथ बिगड़ते संबंधों को दर्शाती है। अमेरिका ने मादक पदार्थ गिरोहों को फलने-फूलने देने के आरोप में अक्टूबर में पेट्रो पर भी प्रतिबंध लगाए थे। करीब 9,000 लड़ाकों वाले क्लान डेल गोल्फो समूह को एजीसी के नाम से भी जाना जाता है। यह 1990 और 2000 के दशक में मार्क्सवादी गुरिल्लाओं से लड़ने वाले दक्षिणपंथी अर्धसैनिक समूहों से विकसित हुआ। एक सरकारी एजेंसी ह्यूमैन राइट्स डिफेंडर्स ऑफिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह समूह कोलंबिया की लगभग एक-तिहाई नगरपालिकाओं में सक्रिय है ।

नेतन्याहू की प्रस्तावित भारत यात्रा की तैयारियां जारी

जयशंकर और नेतन्याहू ने की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर की चर्चा

» यरुशलम, भाषा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, संपर्क और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि भारत-इजराइल की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात की और अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार तथा अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ वार्ता की। बाद में दिन में उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज शाम यरुशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, कौशल एवं प्रतिभा, संपर्क और सुरक्षा में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा, क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर उनके विचारों को महत्व देते हैं। विश्वास है कि हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब नेतन्याहू की प्रस्तावित भारत यात्रा की तैयारियां जारी हैं। नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल में फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इजराइली नेता ने कहा था कि दोनों बहुत जल्द मुलाकात करेंगे। जयशंकर अबू धाबी से तेल अवीव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतिष्ठित सर बानी यस फोरम में हिस्सा लिया था। अबू धाबी में वह 15 दिसंबर को आयोजित भारत-यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) आयोग की 16वीं बैठक और भारत-यूएई रणनीतिक संवाद के पांचवें दौर में भी शामिल हुए थे।

इजराइल ने कनाडाई प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश से रोका

ओटावा, भाषा। इजराइल ने मंगलवार को कनाडा के एक निजी प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश करने से रोक दिया, जिसमें संसद के छह सदस्य भी शामिल थे। कनाडा स्थित इजराइली दूतावास ने कहा कि इस समूह को इसलिए प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि इसके संबंध गैर-सरकारी संगठन इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड से हैं, जिसे इजराइल एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करता है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अपने इन नागरिकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी से ओंटारियो की सांसद इकरा खालिद ने कहा कि वह इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं और इजराइली सीमा पर अधिकारियों ने उन्हें कई बार धक्का दिया। उन्होंने बताया कि जब समूह जॉर्डन और इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एलेनबी सीमा चौकी पर था, तब प्रतिनिधिमंडल के लगभग 30 सदस्यों में से एक को अतिरिक्त पूछताछ के लिए अलग ले जाया गया। उसी सदस्य की स्थिति जानने की कोशिश करने पर उन्हें धक्का दिया गया। खालिद ने कहा कि सीमा अधिकारियों को पता था कि वह सांसद हैं, क्योंकि उन्होंने उनका विशेष पासपोर्ट जब्त कर लिया था, जो सामान्य कनाडाई पासपोर्ट से अलग होता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886